www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 141 || लखनऊ
शुक्रवार
21 अगस्त 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक
तमसा संकेत

>> डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित

मौसम
सूर्योदयः 05:40
सूर्यास्तः 06:37
अधिकतमः 33°00
न्यूनतमः 27°00

पेज 07
विशेष समाचार | बदलती सामाजिक ... >> पेज 04 | आयुषी यादव हत्याकांड... >> पेज 06 | 50 के हुए रणदीप हुड्डा ...

लखनऊ हत्याकांडः धोखे का शक या कुछ और ?

पत्नी और बहन की हत्या फिर खुदकुशी, पत्नी यूट्यूबर प्रज्ञा मिश्रा की बहन थी

वारदात

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में SBI के फील्ड ऑफिसर ने बैंक रिलेशनशिप मैनेजर पत्नी और अपनी बहन की गोली मारकर हत्या कर दी। फिर खुद भी गोली मारकर जान दे दी। पूरी वारदात को उसने प्लानिंग करके अंजाम दिया। गुरुवार दोपहर करीब 12:05 बजे मानस कार से ICICI बैंक पहुंचा। फोन करके पत्नी दिव्या मिश्रा को ऑफिस से बाहर बुलाया। थोड़ी देर उनसे बातचीत की, फिर गोली मारकर भाग गया। इसके बाद 12:30 बजे वह सीधे 2 किमी दूर अपने घर पहुंचा। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, मानस पसीने से भीगा हुआ था। अंदर जाने के बाद उसने सबसे पहले कमरे का दरवाजा बंद कर लिया। फिर टीवी पर तेज आवाज में हनुमान चालीसा चला दी। इसके बाद मानस ने बहन शीबा की गोली मारकर हत्या कर दी। शीबा मानसिक बीमार थी।

> दिव्या के ममेरे भाई मयंक दीक्षित ने बताया- मीडिया के जरिए सूचना मिली कि बहन को गोली मार दी गई है। इसके बाद पता चला कि गोली उनके पति मानस ने मारी है। फिर उसने अपने घर जाकर अपनी बहन को भी गोली मार दी और खुद भी आत्महत्या कर ली।

दिव्या का ममेरा भाई बोला- मानस बैंक के बाहर पहले से खड़ा था

उसने वॉट्सएप पर एक स्टेटस भी लगाया था, जिसमें बहनोई भरत और बहन प्रज्ञा का नाम लिया है। ऐसा कुछ भी नहीं है। इन दोनों को उनके बारे में कोई भी जानकारी नहीं थी। वह कुछ साइको टाइप था, जिसकी वजह से दोनों का एक साल से कोर्ट में विवाद भी चल रहा था। जानकारी करने पर पता चला है कि दिव्या बैंक के काम से कहीं बाहर गई थी। इसके बाद गाड़ी से ऑफिस पहुंची। तभी पहले से सामने खड़ा मानस ने उसको इशारा करके बुलाया। कहा कि कुछ बात करनी है। जब वहां पहुंची, तो मानस ने घटना को अंजाम दे दिया। मानस बाजपेई हुसड़िया चौराहे के पास अपनी बहन शीबा (28) के साथ किराए के मकान में रहता था।

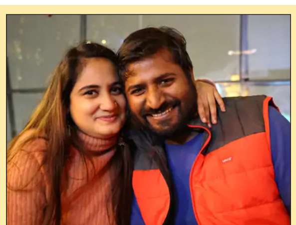

यह दिव्या की बहन प्रज्ञा मिश्रा और उनके पति भरत यादव की तस्वीर है। मानस ने वॉट्सएप स्टेटस में इन दोनों का भी जिक्र किया है।

साइड से पहले आरोपी ने वॉट्सएप पर स्टेटस लगाया था। इसमें लिखा था- मैंने अपनी पत्नी की हत्या कर दी है, क्योंकि उसने मुझे धोखा दिया।

> पुलिस कमिश्नर तरुण गाबा ने घटनास्थल का मुआयना किया। इसके बाद बताया- घटनास्थल का मुआयना किया गया है। मानस बाजपेई ने अपनी पत्नी की हत्या कर कुछ ही मिनट में घर लौटा और स्टेटस लगाकर बहन की हत्या की और खुद को मार लिया।

डीसीपी बोलीं- पुलिस ने गोली के खोखे बरामद किए

डीसीपी-ईस्ट डॉ. दीक्षा शर्मा ने बताया कि पुलिस ने मौके से गोली के खोखे बरामद किए हैं। फोरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए हैं। आसपास के सीसीटीवी की फुटेज भी खंगाली गई है। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर पूरे मामले की जांच की जा रही है।

पड़ोसी बोला- भाई-बहन की लाश पड़ी थी, टीवी पर हनुमान चालीसा चल रही थी

पड़ोसी अंकुर प्रकाश ने बताया कि जैसे ही उन्होंने वॉट्सऐप स्टेटस देखा, वह दौड़कर उनके घर पहुंचे। दरवाजा खटखटाने पर कोई जवाब नहीं मिला। अंदर टीवी चल रहा था। इसके बाद दरवाजा जोर लगाकर खोला गया। अंदर दोनों भाई-बहन मृत पड़े थे। टीवी पर हनुमान चालीसा चल रही थी। अंकुर ने बताया कि दोनों अच्छे लोग थे। जब भी मिलते थे, अच्छे से बात करते थे। उनके माता-पिता की मौत हो चुकी है।

आरोपी ने बहन की भी हत्या की, खुद भी जान दी

मानस का घर हुसड़िया चौराहे के पास किराए पर है। फास्ट फूड दुकान के मालिक लवकुश ने बताया कि करीब 12:30 बजे मानस अचानक वहां आए। वह पसीने से भीगे हुए थे। अंदर जाने के बाद उन्होंने कमरे का दरवाजा बंद कर लिया। कुछ देर बाद अंदर से आवाज आई। मानस की बहन भी उनके साथ रहती थी। इसके बाद पता चला कि मानस ने बहन को गोली मारने के बाद खुद को भी गोली मार ली। लवकुश ने बताया कि उसे इससे ज्यादा जानकारी नहीं है। मानस के माता-पिता नहीं हैं और वह SBI बैंक में काम करता था। उनकी बहन मानसिक बीमार थी।

कांग्रेस का पूरा वंदे मातरम न गाना देशविरोधी : शाह

उन्होंने 1937 में राष्ट्रगीत के दो टुकड़े कर मुस्लिम तुष्टीकरण किया और विभाजन की नींव डाली

ऐलान

तमसा संकेत, एजेंसी

गृहमंत्री अमित शाह ने गुरुवार को कहा कि कांग्रेस का वंदे मातरम पूरा न गाने का फैसला हैरान करने वाला और देशविरोधी है। 1937 में कांग्रेस ने जो फैसला लिया था, उसे पीएम मोदी ने सुधारा है। उन्होंने कहा- कांग्रेस ने 1937 में राष्ट्रगीत के दो टुकड़े कर मुस्लिम तुष्टीकरण किया था। उस फैसले से दो-राष्ट्र सिद्धांत को मजबूती मिली और आगे चलकर देश का विभाजन हुआ। शाह के बयान पर कांग्रेस ने पलटवार किया। पार्टी के सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा- वंदे मातरम स्वतंत्रता संग्राम का हिस्सा था। यह हमारे लिए भावनात्मक मुद्दा है। BJP स्वतंत्रता संग्राम का हिस्सा नहीं थी। दरअसल, कांग्रेस वर्किंग कमेटी ने बुधवार को ऐलान किया कि पार्टी अपने सभी कार्यक्रमों में वंदे मातरम के 6 में से सिर्फ शुरुआती दो पैरा गाएगी।

■ कांग्रेस मुख्यालय में वंदे मातरम के दौरान राहुल, खड़गे और सोनिया आपस में कुछ बात करते दिखे थे।

>> (शेष पेज 06 पर)

यूपी में 10 हजार युवाओं को मिलेगा रोजगार...

योगी सरकार और जापान के बीच ₹3,195 करोड़ का बड़ा करार

ऐलान

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। कानून-व्यवस्था में अभूतपूर्व सुधार और नई औद्योगिक नीतियों के दम पर उत्तर प्रदेश में निवेश का बेहतर माहौल तैयार हुआ है। इसी क्रम में योगी सरकार को एक और बड़ी सफलता मिली है। उत्तर प्रदेश और जापान के बीच प्रगाढ़ होती औद्योगिक साझेदारी के तहत नई दिल्ली में आयोजित 'उप्र-जापान निवेश सम्मेलन 2026' के दौरान एस्कॉर्ट्स कुबोटा लिमिटेड और मिंडा कॉर्पोरेशन लिमिटेड की कुल 3,195 करोड़ रुपये की वृहद परियोजनाओं का वर्चुअल भूमिपूजन किया गया।

>> (शेष पेज 06 पर)

> वर्चुअल भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत और जापान के संबंध सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विश्वास पर आधारित हैं, जिसमें भगवान बुद्ध की करुणा, अनुशासन और साझा जीवन मूल्य शामिल हैं।

फास्ट न्यूज

पाकिस्तान हाई कमीशन के बाहर बुलडोजर चला

नई दिल्ली। दिल्ली में पाकिस्तान हाई कमीशन के बाहर बने अवैध ढांचों को बुधवार देर रात बुलडोजर से हटा दिया गया। अधिकारियों के मुताबिक, ये ढांचे हाई कमीशन की तय सीमा से बाहर बने थे। पाकिस्तान हाई कमीशन का ऑफिस दिल्ली के चाणक्यपुरी के शांतिपथ पर है। यहां बैरिकेड, फेंसिंग और वीजा सेक्शन के पास कतार प्रबंधन के लिए बनाए गए ढांचे भी हटाए गए।

टीचर ने पीटा, बच्चे ने गोद में गिरकर दम तोड़ा

विशाखापट्टनम। विशाखापट्टनम में गुरुवार को टीचर की पिटाई से 6 साल के बच्चे की मौत हो गई। CCTV में नजर आया कि पिटाई के बाद बच्चा टीचर की गोद में ही गिर पड़ा। परिजन का आरोप है कि टीचर की पिटाई से बच्चे को दहशत में हार्ट अटैक आ गया। यह पूरी घटना क्लासरूम में लगे CCTV में रिकॉर्ड हो गई। इसमें दिखाई दे रहा है कि टीचर ने उसके कपड़े उतारने की कोशिश की और थप्पड़ मारा। रिपोर्ट्स के मुताबिक मृतक प्रणय तेजा लिटिल गार्डन्स स्कूल के UKG में पढ़ता था। टीचर की गोद में गिरने के बाद बच्चे को किंग जॉर्ज अस्पताल ले जाया गया।

दिल्ली-एनसीआर में बारिश, एमपी के कई जिलों में बाढ़ के हालात

भोपाल/पटना/लखनऊ/जयपुर। देश के कई राज्यों में लगातार बारिश जारी है। मध्य प्रदेश के कई जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। सतना में भारी बारिश से चित्रकूट की गुप्तगोदावरी में जलस्तर बढ़ गया। डिंडौरी में नदी-नाले उफान पर हैं और 12 से ज्यादा गांवों का संपर्क टूट गया। पन्ना के कई गांवों में भी पानी भर गया।

राम मंदिर निर्माण समिति अध्यक्ष ने मनमानी की : चंपत राय

पूर्व आईएएस नृपेंद्र मिश्रा ने सलाह कभी नहीं मानी, अपनी पसंद के लोग चुने

तमसा संकेत, एजेंसी

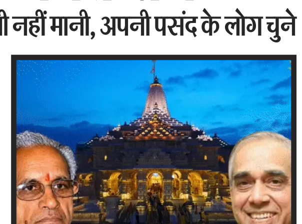

अयोध्या। अयोध्या राम मंदिर ट्रस्ट से इस्तीफे के बाद चंपत राय ने गुरुवार को 9 पन्नों का दूसरा लेटर जारी किया। इसमें उन्होंने मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष और पूर्व IAS अधिकारी नृपेंद्र मिश्र की भूमिका को लेकर कई दावे किए हैं। चंपत राय ने कहा, 'राम मंदिर निर्माण के लिए बने ट्रस्ट में 15 ट्रस्टी थे और नृपेंद्र मिश्र को निर्माण समिति का अध्यक्ष बनाया गया था। मिश्र के सुझाव पर लार्सन एंड टूब्रो (L&T) को मंदिर निर्माण की जिम्मेदारी दी गई। भवनों के डिजाइन और निर्माण से जुड़े काम के लिए नोएडा की डिजाइन एसोसिएट फर्म का चयन भी किया। चंपत राय ने कहा कि नृपेंद्र मिश्र ने निर्माण समिति में अपनी पसंद के लोगों को शामिल किया। इनमें से कुछ लोग छह साल के दौरान केवल एक-दो बार ही अयोध्या आए। पूर्व NBCC चेयरमैन अनूप मित्तल लगातार नृपेंद्र मिश्र के साथ निर्माण समिति की बैठकों में शामिल होते थे। चंपत राय ने चढ़ावा चोरी का मामला सामने आने के बाद 26 जून को महासचिव पद से इस्तीफा दे दिया था। 6 जुलाई को ट्रस्ट की बैठक में इस्तीफा मंजूर किया गया था। उसी दिन चंपत राय ने एक लेटर जारी कर ट्रस्टी अनिल मिश्र पर गंभीर आरोप लगाए थे।

>> (शेष पेज 06 पर)

हाईकोर्ट ने सरकार से जवाब मांगा, 3 दिन पहले रद्द की थीं 22 परीक्षाएं

झारखंड पीएससी परीक्षा रद्द करने के फैसले पर रोक

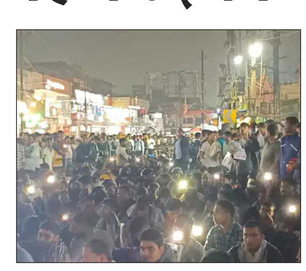

तमसा संकेत, एजेंसी

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने झारखंड लोक सेवा आयोग (JPSC) परीक्षा रद्द करने के राज्य सरकार के फैसले पर रोक लगा दी है। गुरुवार को सुनवाई में कोर्ट ने राज्य सरकार से 15 सितंबर तक जवाब मांगा है। हाईकोर्ट ने फूड सेफ्टी अफसरों की नियुक्तियां रद्द करने वाले आदेश पर भी रोक लगा दी है। झारखंड सरकार ने JPSC और झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (JSSC) की भर्ती परीक्षाओं में भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के चलते 17 अगस्त को 22 परीक्षाएं रद्द कर दी थीं। इनमें JPSC की 11वीं से 13वीं संयुक्त सिविल सेवा परीक्षा, 14वीं सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा और JSSC-CGL परीक्षा भी शामिल है। जांच सीआईडी को सौंप दी गई है। इन परीक्षाओं के आधार पर 2394 अधिकारी विभिन्न विभागों में कार्यरत थे। सरकार के फैसले के बाद इन सभी अधिकारियों की नियुक्तियां समाप्त मानी जाएंगी।

>> (शेष पेज 06 पर)

छात्रों की 5 मांगें, सरकार को अल्टीमेटम

26 दिन तक चले आंदोलन के बाद छात्रों ने सरकार के सामने 5 प्रमुख मांगें रखीं और सरकार को 2 महीने का अल्टीमेटम दिया है। छात्रों ने चेतावनी दी कि मांगें पूरी नहीं हुईं तो आंदोलन तेज किया जाएगा।

- *उत्पाद सिपाही भर्ती परीक्षा के फिजिकल टेस्ट के दौरान मृत अभ्यर्थियों के परिजनों को एक-एक करोड़ रुपए मुआवजा देने की मांग।*
- *विधानसभा घेराव के दौरान छात्रों पर दर्ज किए गए केस वापस लिए जाएं।*
- *परीक्षा सुधार को लेकर अमिताभ कौशल की अध्यक्षता में गठित कमेटी में छात्र प्रतिनिधियों को भी शामिल किया जाए।*
- *जेएसएससी पीजीटी, नगर पालिका, माध्यमिक आचार्य, लैब असिस्टेंट और एक्साइज कॉन्स्टेबल भर्ती परीक्षाओं को भी रद्द कर नए सिरे से कराया जाए।*
- *सीआईडी जांच के मामले में सरकार से जल्द याचिका दायर कर कोर्ट में मजबूती से पक्ष रखे।*

ये परीक्षाएं रद्द की गई

1. सिविल जज (जूनियर डिवीजन)	138
2. सहायक वन संरक्षक (एसीएफ)	78
3. सहायक लोक अभियोजक (एपीपी)	160 नियमित एवं बैकलॉग
4. झारखंड संयुक्त असैनिक सेवा प्रतियोगिता परीक्षा-2025	103
5. झारखंड संयुक्त असैनिक सेवा प्रतियोगिता परीक्षा बैकलॉग-2025	45
6. झारखंड संयुक्त असैनिक सेवा प्रतियोगिता परीक्षा बैकलॉग-2023	07
7. विश्वविद्यालयों में गैर-शैक्षणिक पद	23
8. सहायक निदेशक/वरीय वैज्ञानिक पदाधिकारी नियमित एवं बैकलॉग	15
9. ड्रग इंस्पेक्टर	30
10. सहायक प्रोफेसर, सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज	19
11. व्याख्याता, राजकीय पॉलिटेक्निक/राजकीय महिला पॉलिटेक्निक नियमित एवं बैकलॉग	355
12. सहायक प्रोफेसर, सुपर स्पेशियलिटी, सरकारी मेडिकल कॉलेज	90
13. फूड सेफ्टी ऑफिसर	56
14. सीडीपीओ	64
15. झारखंड संयुक्त असैनिक सेवा प्रतियोगिता परीक्षा-2023	342
16. फूड एनालिस्ट (खाद्य विश्लेषक)	02
17. डिप्टी डायरेक्टर, प्रॉसिक्यूशन	01
18. प्रोजेक्ट मैनेजर एवं समकक्ष	30
19. बॉयलर इंस्पेक्टर	05
20. डायरेक्टर, राज्य फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी	01
21. छठी सीमित उप समाहर्ता प्रतियोगिता परीक्षा	50
22. जेएसएससी सीजीएल-2023 नियमित एवं बैकलॉग	2025

मौत : सिख विरोधी दंगों में उम्रकैद काट रहे थे, 4 केस में से 2 में बरी, 2 में दोषी थे

पूर्व कांग्रेस सांसद सज्जन कुमार का तिहाड़ में निधन

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। तिहाड़ जेल में बंद कांग्रेस के पूर्व सांसद सज्जन कुमार का गुरुवार को 80 साल की उम्र में निधन हो गया। सूत्रों के मुताबिक उन्हें मृत अवस्था में सफदरजंग अस्पताल में लाया गया था। सज्जन कुमार दिसंबर 2018 से जेल में बंद थे। 7 साल 8 महीने जेल में रहने के बाद आज उनका निधन हो गया। उन्हें 1984 सिख विरोधी दंगों के दो मामलों में उम्रकैद की सजा मिली थी, जबकि दंगों से ही जुड़े दो केस में बरी हो गए थे। यह अभी हाल का और काफी महत्वपूर्ण मामला है। इस केस में दो FIR थीं। पहली FIR में आरोप था कि 1 नवंबर 1984 को जनकपुरी इलाके में हुई हिंसा में सोहन सिंह और उनके दामाद अवतार सिंह की हत्या और लूटपाट/आगजनी हुई।

1984 दंगे- सज्जन पर सिखों की हत्या का आरोप

- **31 अक्टूबर 1984 :** प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के बाद 1 नवंबर से दिल्ली समेत कई हिस्सों में सिख विरोधी दंगे भड़के थे। दिल्ली में करीब 2700 और देशभर में लगभग 3500 लोगों की मौत हुई।
- **मई 2000 :** जीटी नानावटी कमीशन बना। इसकी सिफारिश पर 24 अक्टूबर 2005 को CBI ने केस दर्ज किया। तब सज्जन कुमार सांसद थे। उन्हें दंगे भड़काने और सिखों की हत्या के मामले में आरोपी बनाया गया।
- **2010-2013 :** ट्रायल कोर्ट ने सज्जन कुमार समेत कई आरोपियों को समन किया। 2013 में सज्जन कुमार को बरी किए जाने के बाद CBI ने हाईकोर्ट में अपील की।
- **17 दिसंबर 2018 :** दिल्ली हाईकोर्ट ने पांच सिखों की हत्या के मामले में सज्जन कुमार को उम्रकैद की सजा सुनाई।
- **2005 :** दंगों के 21 साल बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने संसद में माफी मांगते हुए कहा था कि इस घटना से उनका सिर शर्म से झुक जाता है।

जंतर-मंतर पर पुलिस एक्शन : सुप्रीम कोर्ट ने जांच कमेटी बनाई

इसमें रिटायर्ड जज, सीबीआई-पुलिस के पूर्व अफसर, पैलेटगन चलाने और महिलाओं से बदसलूकी के आरोप

ऐलान

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को संसद मार्च के दौरान पुलिस की कार्रवाई के आरोपों की जांच के लिए 5 सदस्यों की हाई पावर्ड कमेटी के नामों का ऐलान किया। कमेटी का अध्यक्ष सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जस्टिस आर सुभाष रेड्डी को बनाया गया है। इसमें पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट के पूर्व चीफ जस्टिस रवि शंकर झा, दिल्ली हाईकोर्ट की पूर्व जज जस्टिस शलिंदर कौर, CBI के पूर्व डायरेक्टर ऋषि कुमार शुक्ला और मेघालय के रिटायर्ड DGP डॉ. एलआर बिश्नोई शामिल हैं। सुप्रीम कोर्ट ने 18 अगस्त को सुनवाई के दौरान इस कमेटी को बनाने का फैसला लिया था। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पैलेटगन इस्तेमाल करने और महिलाओं से बदसलूकी के आरोप लगाए थे। नीट पेपर लीक और परीक्षाओं में गड़बड़ी को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी का प्रदर्शन जंतर-मंतर पर 36 दिन चला था।

>> (शेष पेज 06 पर)

दिल्ली पुलिस ने सुप्रीम कोर्ट में कहा था- संसद मार्च गैरकानूनी था

सुप्रीम कोर्ट में 18 अगस्त को सुनवाई के दौरान दिल्ली पुलिस ने कहा था कि 20 जुलाई का संसद मार्च गैरकानूनी था। इसकी परमिशन नहीं थी। जंतर-मंतर पर प्रदर्शन में कई हिस्ट्रीशीटर भी आ गए थे। पुलिस ने बताया कि संसद मार्च में प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड तोड़े और पुलिस से मारपीट की, जिससे प्रदर्शन शांतिपूर्ण नहीं रहा। हालात संभालने के लिए बल प्रयोग किया गया था, लेकिन प्रदर्शनकारियों पर जरूरत से ज्यादा बल प्रयोग नहीं किया गया।

एमएसई को सरकारी खरीद और पीएसयू से जोड़ने के लिए दो दिवसीय वेण्डर विकास कार्यक्रम का शुभारंभ

जेम पर अब तक करीब 20 लाख करोड़ रुपये की खरीद

कार्यक्रम

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों (एमएसई) को सरकारी खरीद और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) से जोड़ने के उद्देश्य से गुरुवार को गोमती नगर स्थित पीएचडी हाउस में दो दिवसीय "वेण्डर विकास कार्यक्रम-2026" का शुभारंभ हुआ। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार के एमएसएमई-विकास कार्यालय, कानपुर और पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (PHDCCI), लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में 200 से

अधिक उद्यमियों, औद्योगिक संगठनों के पदाधिकारियों और विभिन्न सरकारी एवं सार्वजनिक क्षेत्र के संस्थानों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के एमएसएमई एवं निर्यात प्रोत्साहन सचिव प्रांजल यादव ने कहा कि प्रदेश के औद्योगिक तंत्र में एमएसएमई की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। राज्य में 100 उद्योगों में 98 से अधिक एमएसएमई हैं और करीब 90 प्रतिशत इकाइयां सूक्ष्म उद्यम हैं।

प्रदेश के औद्योगिक विकास में एमएसएमई की भूमिका अहम: सचिव प्रांजल यादव

पीएसयू और एमएसई के बीच बी2बी मीट में खरीद एवं कारोबारी अवसरों पर सीधा संवाद

जेम पर वेंडर पंजीकरण और सरकारी खरीद प्रक्रिया की दी गई जानकारी, 20 से अधिक स्टॉल में एमएसएमई और पीएसयू ने प्रदर्शित किए उत्पाद एवं तकनीक

25 प्रतिशत खरीद का लक्ष्य निर्धारित

एमएसएमई-विकास कार्यालय, कानपुर के निदेशक वी.के. वर्मा, IEDS ने कहा कि सरकारी खरीद में एमएसई की भागीदारी बढ़ाने के लिए 25 प्रतिशत खरीद का लक्ष्य निर्धारित है। विभिन्न सीपीएसई द्वारा एमएसई से खरीद किए जाने से छोटे उद्यमों के लिए बड़े कारोबारी अवसर पैदा हो रहे हैं। उन्होंने उद्यमियों से वेण्डर पंजीकरण और खरीद प्रक्रियाओं को समझकर इन अवसरों का लाभ उठाने की अपील की। GeM के यूपी स्टेट नोडल एवं डिप्टी सीईओ कृष्ण मुरारी, IRSS ने बताया कि वर्ष 2017 में लॉन्च होने के बाद GeM पर करीब 20 लाख करोड़ रुपये की खरीद हो चुकी है, जिसमें एमएसई की हिस्सेदारी लगभग 45 प्रतिशत यानी करीब नौ लाख करोड़ रुपये है। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा भी करीब एक लाख करोड़ रुपये की खरीद की गई है। उन्होंने कहा कि करीब 25 हजार नए वेंडर पंजीकृत हुए हैं और एमएसई की भागीदारी बढ़ाने में यूपी एमएसएमई विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

पावर ग्रिड में एमएसई से करीब 70 प्रतिशत खरीद, 250 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार,लखनऊ की आउटसोर्सिंग में 25 प्रतिशत वृद्धि, गुणवत्ता और समयबद्ध आपूर्ति जरूरी

एलिम्को की जरूरतों के अनुरूप उत्पादन क्षमता विकसित करें एमएसई, गुणवत्ता, मानकीकरण और आधुनिक पैकेजिंग से बढ़ेगी एमएसई उत्पादों की प्रतिस्पर्धात्मकता

प्रयागराज में 26 साल की महिला की गला रेतकर हत्या

किराए के कमरे में खून से लथपथ लाश मिली

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज। प्रयागराज के गुरुवार को घर के भीतर 26 वर्षीय महिला की गला रेतकर हत्या कर दी गई। महिला का शव किराए के कमरे में पड़ा मिला। घटना के समय महिला घर में अकेली थी।

सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और फील्ड यूनिट के साथ घटनास्थल का निरीक्षण किया। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के साथ ही पुलिस ने एक संदिग्ध को हिरासत में लिया है। घटना सरायइनायत के हनुमानगंज की है। मृतका की पहचान उषा के रूप में हुई है। वह जौनपुर की रहने वाली थी। उसका पति दिनेश कुमार मूल रूप से प्रयागराज के उतरांव का रहने वाला है। वह मुंबई में आटो रिक्शा चालक था। करीब पांच साल पूर्व मुंबई में ऊषा से उसकी मुलाकात हुई। दोनों ने लव मैरिज की थी। 11 अगस्त को कोटवां रोड

उषा, मृतक

जैतपुर गांव निवासी अनिल स्वर्णकार के घर के दूसरी मंजिल पर किराए का कमरा लेकर दोनों रहने लगे। इनकी चार वर्षीय बेटी स्वीटी है। पुलिस के मुताबिक, घटना के समय उषा घर में अकेली थी। सुबह 11:00 के करीब उसकी बेटी की जोर-जोर से रोने की आवाज आई तो पड़ोसी पहुंचे। उन्होंने देखा कि उषा खून से लथपथ मृत पड़ी हुई थी।

महिला की डेड बॉडी घर में पड़े होने की सूचना पर पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। महिला के गले पर गंभीर चोट के निशान मिले हैं। प्रथम दृष्टया गला रेतकर हत्या किए जाने की बात सामने आई है।

फास्ट न्यूज

11वीं के छात्र को शिक्षिका से हुआ प्यार

आगरा। आगरा में एक निजी स्कूल की शिक्षिका और 11वीं कक्षा के छात्र के एक साथ घर से चले जाने का मामला सामने आया है। परिजनों की शिकायत के बाद पुलिस ने दोनों की तलाश शुरू की और बुधवार रात शिक्षिका को मथुरा तथा छात्र को दिल्ली से बरामद कर लिया। पुलिस दोनों से पूछताछ कर रही है। पुलिस के अनुसार छात्र और शिक्षिका के बीच पिछले कुछ समय से बातचीत बढ़ गई थी। परिवार के लोगों की डांट-फटकार के बाद छात्र अपनी बातें शिक्षिका से साझा करता था।

महानगर में आदर्श व्यापारी एसोसिएशन की बैठक संपन्न

लखनऊ । आदर्श व्यापारी एसोसिएशन की लखनऊ महानगर की एक महत्वपूर्ण बैठक आज भरत नगर, मड़ियांव में सम्पन्न हुई। बैठक में आदर्श व्यापारी एसोसिएशन के सैकड़ों पदाधिकारियों की उपस्थिति में संगठन को विस्तार देने के क्रम में सर्राफा कारोबारी अंकित सोनी को सर्व सम्मति से भरतनगर इकाई का अध्यक्ष चुना गया। मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष राजेश सोनी ने प्रदेश के सर्राफा व्यापारियों की जान एवं माल की सुरक्षा पर चिंता व्यक्त की और प्रदेश सरकार से मांग की कि सर्राफा व्यापारियों को तत्काल प्रभाव से शस्त्र लाइसेंस प्राथमिकता के आधार पर जारी किए जाएं।

बाराबंकी में बारिश से सीएचसी में जलभराव

बाराबंकी। जिले में लगातार हो रही बारिश के कारण हैदरगढ़ तहसील क्षेत्र के त्रिवेदीगंज विकासखंड कार्यालय और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) परिसर में जलभराव की गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई है। बारिश का पानी दोनों परिसरों में चारों ओर जमा हो गया है, जिससे जल निकासी की समुचित व्यवस्था न होने के कारण लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

एमएससी छात्रा की प्रेमी के बाथरूम से मिली लाश

कॉलेज के लिए निकली थी इकलौती बेटी

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी में 3 दिन से लापता MSC छात्रा की लाश गुरुवार दोपहर डेढ़ बजे प्रेमी के बाथरूम से मिली। बेटी का पता लगाते हुए मां प्रेमी के कमरे तक पहुंचीं। उन्होंने जैसे ही गेट खोला, तेज बदबू आने लगी। अंदर बाथरूम में देखा तो बेटी की सड़ी-गली लाश मिली। छात्रा की मां ने तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी।

छात्रा की मां ने पुलिस को बताया- 17 अगस्त को बेटी कॉलेज गई थी, लेकिन वापस नहीं आई। काफी तलाशने के बाद जब कुछ पता नहीं चला तो थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने छात्रा के मोबाइल को सर्विलांस पर लगाया तो लोकेशन बच्छांव में मालवीय इंटर कॉलेज के पास मिली। पुलिस मौके पर पहुंची तो कमरे का गेट नहीं

श्रेया उपाध्याय मृतक

खुला। शुक्रवार सुबह छात्रा की मां उसके प्रेमी के ननिहाल पहुंचीं। वहां से उन्हें कमरे की चाबी मिली। इसके बाद वह दोबारा लोकेशन वाली जगह पर पहुंचीं तो घटना का पता चला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने छात्रा के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया है। वहीं, छात्रा का प्रेमी फरार है। घटना रोहनिया इलाके की है। छात्रा की पहचान श्रेया उपाध्याय पुत्री सुनील उपाध्याय के रूप में हुई है। राजातालाब के मरुई-जमुनी गांव के रहने वाले सुनील अपने घर से करीब 4 किमी दूर चंदापुर में कपड़े की दुकान चलाते हैं।

आईटीआई को उद्योगों से जोड़कर युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाएं : मुख्यमंत्री

'अनुदेशकों की चयन प्रक्रिया में तेजी लाएं'

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग की कार्ययोजना की समीक्षा करते हुए कहा कि आईटीआई को अधिक से अधिक उद्योगों से जोड़ा जाए। उद्योगों की आवश्यकता के अनुसार पाठ्यक्रम और प्रशिक्षण विकसित करने के साथ ही अप्रेंटिसशिप तथा ऑन-जॉब प्रशिक्षण को बढ़ावा दिया जाए, ताकि प्रशिक्षण प्राप्त युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर मिल सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि कौशल विकास को रोजगार के साथ वैश्विक अवसरों से भी जोड़ा जाए। आईटीआई और उद्योगों के बीच

2,406 अनुदेशक पदों पर चयन

मुख्यमंत्री ने अनुदेशकों की उपलब्धता को प्रशिक्षण की गुणवत्ता के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए चयन प्रक्रिया को तेजी से आगे बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि चयनित अनुदेशकों को नियमित नियुक्ति की प्रक्रिया में उनके अनुभव और कार्य के आधार पर वेटेज देने का प्रावधान किया जाए। बैठक में बताया गया कि 2,406 अनुदेशक पदों पर चयन किया गया है और 2,200 से अधिक चयनित अनुदेशक कार्यभार ग्रहण कर चुके हैं।

निरंतर संवाद की व्यवस्था होनी चाहिए और प्रत्येक मंडल मुख्यालय पर नियमित रोजगार मेलों का आयोजन किया जाए। मुख्यमंत्री ने सेंटर फॉर इनोवेशन, इन्वेंशन, इन्क्यूबेशन एंड ट्रेनिंग (सीआई-आईआईटी) केंद्रों की प्रगति की समीक्षा करते हुए गोरखपुर, मुजफ्फरनगर और बरेली केंद्रों का संचालन शीघ्र शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन केंद्रों को आधुनिक तकनीक और उद्योग आधारित

मुख्यमंत्री का निर्देश, नियमित नियुक्ति में वेटेज का प्रावधान भी हो

प्रशिक्षण के उत्कृष्ट केंद्र के रूप में विकसित किया जाए। बैठक में बताया गया कि टाटा टेक्नोलॉजीज के सहयोग से 150 राजकीय आईटीआई के उन्नयन का कार्य किया जा रहा है, जबकि 62 अन्य आईटीआई के उन्नयन की प्रक्रिया भी आगे बढ़ रही है। उद्योगों के सहयोग से 37 राजकीय आईटीआई में एडवांस स्किल लैब स्थापित की गई हैं। बैठक में बताया गया कि प्रशिक्षणार्थियों के लिए कार्यस्थल पर हिंदी की आधिकारिक शब्दावली और प्रयोग से संबंधित प्रशिक्षण की व्यवस्था की गई है तथा प्रत्येक प्रशिक्षणार्थी के लिए अंग्रेजी भाषा का प्रशिक्षण अनिवार्य किया गया है। जापान और जर्मनी जैसे देशों में कुशल जनशक्ति की मांग को देखते हुए विदेशी भाषाओं का डिजिटल प्रशिक्षण शुरू करने के लिए

प्रत्येक मंडल मुख्यालय पर नियमित रोजगार मेलों का आयोजन सुनिश्चित करें
- मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने कहा, भाषा प्रशिक्षण को मजबूत कर युवाओं को वैश्विक रोजगार के लिए तैयार करें

मुख्यमंत्री के निर्देश, जीरो पॉवर्टी अभियान से जुड़े परिवारों के युवाओं को कौशल प्रशिक्षण देकर रोजगार से जोड़ें

कंपनियों के चयन की प्रक्रिया चल रही है। मुख्यमंत्री ने जीरो पॉवर्टी अभियान से जुड़े परिवारों के बच्चों और युवाओं को कौशल प्रशिक्षण देकर रोजगार एवं स्वरोजगार से जोड़ने पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

योगी सरकार की उत्कृष्ट कार्यशैली का असर

मातृ एवं नवजात स्वास्थ्य को सुरक्षित करने में असरदार साबित हो रही डबल इंजन सरकार की जननी सुरक्षा योजना

संस्थागत प्रसव बढ़ने से मातृ मृत्युदर में आई बड़ी गिरावट

मातृ एवं नवजात स्वास्थ्य को सुरक्षित करने में असरदार साबित हो रही डबल इंजन सरकार की जननी सुरक्षा योजना

योगी सरकार प्रसव से जुड़े खर्चों में आर्थिक सहायता और महिलाओं को सुरक्षित प्रसव सेवाओं तक पहुंचाने के लिए करती है प्रेरित

प्रदेश के कई जिलों ने किया उत्कृष्ट कार्य, बीती 1 अप्रैल से 9 अगस्त तक हुए सात लाख से अधिक संस्थागत प्रसव

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। योगी सरकार की ओर से संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने और प्रसव के दौरान मातृ एवं नवजात स्वास्थ्य को सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से शुरू की गई जननी सुरक्षा योजना (जेएसवाई) उत्तर प्रदेश में लगातार असरदार साबित हो रही है। वर्तमान वित्तीय वर्ष में 1 अप्रैल से 9 अगस्त तक सात लाख से अधिक संस्थागत प्रसव इसका उदाहरण हैं। पूर्वी उत्तर प्रदेश से लेकर पश्चिमी उत्तर प्रदेश तक कई जिलों में योजना के बेहतर क्रियान्वयन का असर दिखाई दे रहा है। योगी सरकार के इन

> किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) की स्त्री रोग विभागाध्यक्ष डॉ. अंजू अग्रवाल के अनुसार संस्थागत प्रसव केवल प्रसव की जगह बदलने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मां और नवजात दोनों की सुरक्षा से सीधे जुड़ा है। अस्पताल में प्रसव होने पर प्रसव के दौरान होने वाली जटिलताओं की समय रहते पहचान और उपचार संभव होता है।

योजना का लाभ अधिक से अधिक महिलाओं तक पहुंचाने में आशा कार्यकर्ताओं की अहम भूमिका

जरूरत पड़ने पर प्रशिक्षित चिकित्सक, स्टाफ नर्स, दवाएं, रक्त की उपलब्धता और आपातकालीन सेवाएं भी दी जाती हैं। इससे मातृ एवं नवजात मृत्यु के जोखिम को कम करने में मदद मिलती है।

जननी सुरक्षा योजना के तहत गर्भवती महिलाओं को दी जाती है आर्थिक सहायता

सचिव स्वास्थ्य एवं राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन निदेशक डॉ. पिंकी जोवल ने बताया कि योगी सरकार की ओर से सुरक्षित प्रसव पर जननी सुरक्षा योजना के तहत सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में गर्भवती महिलाओं को प्रसव पर आर्थिक सहायता (ग्रामीण क्षेत्र में 1,400 रुपए और शहरी क्षेत्र में 1,000 रुपए) दी जाती है। इसका उद्देश्य गर्भवती महिलाओं को घर पर प्रसव के बजाय अस्पताल या स्वास्थ्य केंद्र में प्रसव कराने के लिए प्रोत्साहित करना है।

प्रयासों से मातृ मृत्यु दर (एमएमआर) को कम करने में सफलता मिल रही है। योजना से मिलने वाली धनराशि प्रसव से जुड़े खर्चों में मदद करती है और महिलाओं को सुरक्षित प्रसव सेवाओं तक पहुंचने के लिए प्रेरित करती है। प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में योजना के बेहतर प्रदर्शन से स्पष्ट है कि संस्थागत प्रसव को लेकर जागरूकता बढ़ रही है।

विधवा पेंशन के लिए 380 करोड़ रुपये से अधिक की वित्तीय व्यवस्था

निराश्रित महिलाओं को मिलेगा सहारा

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश की निराश्रित एवं विधवा महिलाओं को सामाजिक सुरक्षा देने वाली इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना को लेकर योगी सरकार ने वित्तीय व्यवस्था सुनिश्चित की है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में योजना के तहत 380 करोड़ 15 लाख 74 हजार रुपये की धनराशि की व्यवस्था की गई है। यह राशि भारत सरकार से प्राप्त केंद्रांश (मदर सैंक्शन) के उपयोग के लिए नवीन लेखाशीर्षक यानी नए बजट हेड में उपलब्ध कराई गई है। इस संबंध में महिला कल्याण विभाग द्वारा शासनादेश जारी किया गया है।

इसमें स्पष्ट किया गया है कि केंद्र सरकार से प्राप्त मदर सैंक्शन की धनराशि का उपयोग चालू वित्तीय वर्ष में योजना के अंतर्गत किया जाएगा। इस वित्तीय व्यवस्था का उद्देश्य योजना के अंतर्गत पात्र

- तीन मदों में स्वीकृत हुई धनराशि, यूपी में विधवा पेंशन योजना के संचालन को मिलेगी और मजबूती
- सीएम योगी के मार्गदर्शन में महिला कल्याण विभाग ने जारी किया शासनादेश
- कोई पात्र महिला पेंशन के लाभ से वंचित न रहे, समयबद्ध मिले सहायताः अपर मुख्य सचिव
- महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और आत्मनिर्भरता योगी सरकार की प्राथमिकता, वित्तीय नियमों के तहत होगा खर्च

निराश्रित और विधवा महिलाओं को सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध कराने के लिए पेंशन संबंधी खर्च को सुचारु बनाए रखना है।

समीक्षा : प्रत्येक पात्र विद्यार्थी को समय से मिले छात्रवृत्ति, 02 अक्टूबर तक भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश

सर्वोदय विद्यालयों के संचालन में व्यापक बदलाव की जरूरत

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालयों में सुव्यवस्थित संचालन के लिए व्यापक बदलाव की जरूरत बताई है। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि विद्यालयों से जुड़ी सुस्पष्ट नियमावली तैयार करने, शिक्षकों के रिक्त पदों पर चयन की प्रक्रिया आगे बढ़ाने तथा एक सोसाइटी के गठन की दिशा में आवश्यक कार्रवाई की जाए, ताकि इन आवासीय विद्यालयों का प्रबंधन और संचालन अधिक व्यवस्थित ढंग से हो सके।

गुरुवार को समाज कल्याण विभाग के माननीय मंत्री असीम अरुण की उपस्थिति में विभाग की

समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने विद्यालयों में शिक्षकों और अन्य आवश्यक स्टाफ की उपलब्धता, विद्यार्थियों को मिल रही सुविधाओं तथा प्रबंधन व्यवस्था की जानकारी ली। बैठक में बताया गया कि वर्ष 2017 से पहले प्रदेश में 93 जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय संचालित थे, जबकि वर्ष 2025-26 तक इनकी संख्या बढ़कर 103 हो गई है। इनमें 59 विद्यालय सीबीएसई तथा 44 विद्यालय यूपी बोर्ड से संबद्ध हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि विद्यालयों में शिक्षकों

सुस्पष्ट नियमावली के साथ प्रभावी प्रबंधन व्यवस्था बने: मुख्यमंत्री

पात्र वृद्धजनों को पेंशन के लिए अनावश्यक प्रतीक्षा न करनी पड़े, लंबित आवेदनों का सत्यापन कर शीघ्र लाभ दिलाएंः मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना को और प्रभावी बनाने पर जोर, युवाओं को गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन उपलब्ध कराने के निर्देश

प्रत्येक पात्र विद्यार्थी को समय से मिले छात्रवृत्ति, 02 अक्टूबर तक भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश

मुख्यमंत्री ने की समाज कल्याण विभाग की समीक्षा, दिए महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश

के रिक्त पदों को भरने की प्रक्रिया में तेजी लाई जाए। साथ ही विद्यार्थियों की शैक्षणिक आवश्यकताओं के अनुरूप अन्य आवश्यक मानव संसाधन की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने प्रतियोगी परीक्षाओं की

वर्तमान में लगभग 11.50 लाख नए आवेदन लंबित

बैठक में मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि वृद्धावस्था पेंशन के लिए पात्र किंतु अब तक वंचित वृद्धजनों के आवेदनों का सत्यापन कराते हुए यथाशीघ्र उन्हें पेंशन से लाभान्वित कराया जाए। उन्होंने कहा कि पात्र वृद्धजनों को अनावश्यक रूप से प्रतीक्षा न करनी पड़े और आवेदन के सत्यापन से लेकर पेंशन स्वीकृति तक की प्रक्रिया समयबद्ध हो। बैठक में बताया गया कि राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना के अंतर्गत वर्ष 2017-18 में 37.47 लाख लाभार्थियों की संख्या बढ़कर वर्ष 2025-26 में 67.50 लाख हो गई है। वर्तमान में लगभग 11.50 लाख नए आवेदन लंबित हैं।

तैयारी कर रहे विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन उपलब्ध कराने और योजना की पहुंच तथा प्रभावशीलता को और बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग करने तथा श्रेष्ठ शिक्षकों और विशेषज्ञों के अनुभव का अधिक से अधिक विद्यार्थियों को लाभ दिलाने के निर्देश दिए।

ओबोसी बेटियों की शादी का सहारा बनी योगी सरकार

शादी अनुदान योजना के तहत अब तक 96 हजार से अधिक आवेदन

सहायता

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं आर्थिक रूप से कमजोर और जरूरतमंद परिवारों के लिए सहारा बन रही हैं। अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों के विवाह में आर्थिक मदद देने के लिए संचालित शादी अनुदान योजना के माध्यम से वित्तीय वर्ष 2026-27 में अब तक 30 हजार से अधिक लाभार्थियों को लाभ दिया जा चुका है। सरकार की इस पहल से बेटियों के विवाह से जुड़ी आर्थिक जिम्मेदारियों को कम करने में मदद

मिल रही है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में योजना के तहत 1 लाख 5 हजार पात्र लाभार्थियों को जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए 210 करोड़ रुपये का वार्षिक लक्ष्य रखा गया है, जिसके सापेक्ष अब तक 106.65 करोड़ रुपये की धनराशि आवंटित की जा चुकी है। योजना के अंतर्गत अब तक 96,956 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 12,855 आवेदन निरस्त किये गए हैं। आंकड़ों के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2026-27 में अब तक 30,466 लाभार्थियों को 60.93 करोड़ रुपये की धनराशि का भुगतान किया जा चुका है। यह आवंटित धनराशि का करीब 57.13 प्रतिशत है। सरकार का लक्ष्य है कि पात्र परिवारों को समयबद्ध तरीके से आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाए, ताकि उन्हें बेटी के विवाह के लिए आर्थिक कठिनाइयों का सामना न करना पड़े।

शादी अनुदान योजना के तहत प्रत्येक पात्र परिवार को बेटी के विवाह के लिए 20 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी जाती है। यह धनराशि सीधे लाभार्थी के बैंक खाते में भेजी जाती है।

रिकाउंटिंग में आनंद कुमार सिंह बूटा विजयी, बुधवार की मतगणना में बराबरी पर अटका था परिणाम

उन्नाव बार एसोसिएशन महामंत्री चुनाव में एक वोट से फैसला

परिणाम

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव बार एसोसिएशन के महामंत्री पद के चुनाव का परिणाम गुरुवार को दोबारा हुई मतगणना के बाद साफ हो गया। रिकाउंटिंग में आनंद कुमार सिंह बूटा ने राहुल सिंह यादव को महज एक वोट के अंतर से शिकस्त देकर जीत दर्ज की। बुधवार रात हुई प्रारंभिक मतगणना में दोनों प्रत्याशियों के वोट बराबर आने के बाद परिणाम को लेकर असमंजस की स्थिति बन गई थी। इसके बाद एल्डर कमेटी ने गुरुवार को दोबारा मतगणना कराने का निर्णय लिया। दोबारा मतगणना

को देखते हुए कचहरी परिसर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। किसी तरह की अप्रिय स्थिति से बचने के लिए पुलिस बल की तैनाती बढ़ा दी गई। कोतवाली, दही और अचलगंज समेत कई थानों के इंस्पेक्टरों को सुरक्षा व्यवस्था में लगाया गया। कचहरी परिसर में 200 से अधिक पुलिसकर्मी तैनात रहे। पुलिस अधिकारियों की निगरानी में मतों की दोबारा गिनती कराई गई। इस

प्रारंभिक मतगणना में बराबर थे दोनों प्रत्याशी

बुधवार देर रात हुई पहली मतगणना के दौरान आनंद कुमार सिंह बूटा और राहुल सिंह यादव के मतों की संख्या बराबर सामने आई थी। दोनों प्रत्याशियों के बीच मुकाबला बेहद करीबी होने के कारण चुनाव परिणाम को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी। मतों की बराबरी के बाद प्रत्याशियों और समर्थकों के बीच परिणाम को लेकर उत्सुकता बढ़ गई। इसके बाद चुनाव प्रक्रिया से जुड़े अधिकारियों ने गुरुवार को दोबारा मतगणना कराने का फैसला लिया।

दौरान प्रत्याशियों के समर्थक भी परिणाम का इंतजार करते रहे।रिकाउंटिंग के दौरान एक-एक मत की दोबारा जांच की गई। मतगणना पूरी होने के बाद जब आंकड़े सामने आए तो आनंद कुमार सिंह बूटा को 408 और राहुल सिंह यादव को 407 मत मिले।

408 वोट पाकर आनंद कुमार सिंह बूटा जीते

गुरुवार दोपहर करीब साढ़े तीन बजे एल्डर कमेटी के चुनाव अधिकारी प्रकाश निगम ने रिकाउंटिंग का अंतिम परिणाम घोषित किया। इसमें आनंद कुमार सिंह बूटा को 408 मत, राहुल सिंह यादव को 407 मत और सिद्धांत अवस्थी को 395 मत मिले। इस तरह आनंद कुमार सिंह बूटा ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी राहुल सिंह यादव को सिर्फ एक वोट से हराकर महामंत्री पद पर कब्जा किया। परिणाम घोषित होते ही उनके समर्थकों में खुशी का माहौल बन गया।

टीकाकरण के दो माह बाद बच्ची की हुई मौत

डॉक्टर बोले- अन्य बच्चों को भी टीके लगे थे वह स्वस्थ हैं

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई के पिहानी कोतवाली क्षेत्र के राभा गांव में नियमित टीकाकरण के अगले ही दिन दो माह की बच्ची की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिजनों ने टीकाकरण में लापरवाही और टीके के रिएक्शन को बच्ची की मौत का कारण बताया है। सूचना पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया। बच्ची की मौत गुरुवार सुबह करीब आठ बजे हुई। मृतक के पिता रामू राठौर के अनुसार, बुधवार को एएनएम ने उनकी दो माह की बेटी रूवांशी को नियमित टीकाकरण के तहत टीका लगाया था। शाम तक बच्ची की तबीयत बिगड़ने लगी। गुरुवार सुबह

उसकी मौत हो गई। परिजनों का कहना है कि टीकाकरण से पहले बच्ची पूरी तरह स्वस्थ थी, इसलिए उन्हें आशंका है कि टीके के रिएक्शन के कारण उसकी जान गई। मामले की सूचना मिलने पर पिहानी पुलिस मौके पर पहुंची। कोतवाल एसएन सिंह ने बताया कि पिता की तहरीर के आधार पर पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

फास्ट न्यूज

रोडवेज बस की टक्कर से मजदूर की मौत

उन्नाव। उन्नाव में रोडवेज बस की टक्कर से एक ऑटो सवार मजदूर की मौत हो गई। इस हादसे में ऑटो चालक सहित तीन अन्य लोग घायल हुए हैं। पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मृतक की पहचान सोहरामऊ थाना क्षेत्र के उमर्रा गांव निवासी रामू पुत्र बाबूलाल उर्फ रामखिलावन के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, रामू मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करता था।

हरदोई में मालगाड़ी की चपेट में आया शख्स

हरदोई। हरदोई में रेलवे स्टेशन के पास बुधवार देर रात एक अधेड़ व्यक्ति की मालगाड़ी की चपेट में आने से मौत हो गई। यह हादसा रात करीब 11:30 बजे खदरा फाटक के निकट हुआ। घटना के बाद रेलवे स्टेशन पर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल रहा। जानकारी के अनुसार, बुधवार रात एक मालगाड़ी हरदोई रेलवे स्टेशन की ओर जा रही थी। इसी दौरान खदरा फाटक के पास अचानक एक अधेड़ व्यक्ति ट्रेन के सामने आ गया। लोको पायलट ने तत्काल इसकी सूचना मेमो के माध्यम से रेलवे स्टेशन पर दी।

कक्षा6 की छात्रा की सड़क हादसे में मौत

हरदोई। माधवगंज मटियामऊ मार्ग पर सेलापुर चौराहे के पास एक सड़क हादसे में साइकिल सवार छात्रा की मौत हो गई। घटना के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। जानकारी के अनुसार, माधवगंज थाना क्षेत्र के ग्राम पडरा लखनपुर निवासी सरोज कुमार की 13 वर्षीय पुत्री रिया पटेल दर्शनलाल इंटर कॉलेज साईं में कक्षा 6 की छात्रा थी।

कार पेड़ से टकराई, पति-पत्नी घायल

देवा-फतेहपुर मार्ग पर अनियंत्रित हुई कार

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी में देवा-फतेहपुर मार्ग पर गुरुवार दोपहर करीब 12 बजे तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई। हादसे में कार सवार पति-पत्नी घायल हो गए। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। आसपास मौजूद लोगों ने कार में फंसे दोनों घायलों को बाहर निकाला और पुलिस-एंबुलेंस को सूचना दी। जानकारी के मुताबिक, पति-पत्नी फतेहपुर से बाराबंकी इलाज के लिए आ रहे थे। देवा-फतेहपुर मार्ग पर अचानक कार अनियंत्रित हो गई। इससे पहले कि चालक कार को संभाल पाता, वह

सड़क किनारे पेड़ से जा टकराई। टक्कर की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। कार की हालत देखकर लोगों ने तत्काल एंबुलेंस और पुलिस को सूचना दी। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को कार से बाहर निकाला गया। एंबुलेंस की मदद से दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र देवा पहुंचाया गया।

डीएम-एसपी ने नवोदय विद्यालय में सुनीं छात्रों की समस्याएं, भोजन परखा

छात्र आंदोलन के बाद प्रशासन गंभीर

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। जिले में छात्रों की समस्याओं और विद्यालयों की व्यवस्थाओं को लेकर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। बुधवार को छात्रों के आंदोलन के बाद गुरुवार को जिलाधिकारी घनश्याम मीणा और पुलिस अधीक्षक जयप्रकाश सिंह फतेहपुर चौरासी स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय पहुंचे। दोनों अधिकारियों ने विद्यालय परिसर का निरीक्षण करने के साथ छात्रों से सीधे संवाद किया और उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना। डीएम और एसपी ने विद्यालय में छात्रों से बातचीत की और उनकी ओर से बताई जा रही परेशानियों के बारे में जानकारी ली। अधिकारियों ने छात्रों से यह भी पूछा कि उन्हें विद्यालय में रहने, पढ़ाई, भोजन, साफ-सफाई और अन्य मूलभूत

सुविधाओं से संबंधित किसी तरह की समस्या तो नहीं है।अधिकारियों ने छात्रों को भरोसा दिलाया कि उनकी जायज समस्याओं का संबंधित स्तर पर समाधान कराया जाएगा। इस दौरान विद्यालय की व्यवस्थाओं को लेकर प्रबंधन से भी जानकारी ली गई। सूचना पर अधिकारी मौके पर पहुंचे और छात्रों से बातचीत कर उनकी समस्याएं जानी थीं। अधिकारियों ने बातचीत के जरिए स्थिति को शांत कराया था। छात्रों के आंदोलन के अगले ही दिन डीएम और एसपी का विद्यालय पहुंचना प्रशासन की गंभीरता को दर्शाता है।

भोजन की गुणवत्ता भी परखी

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने विद्यालय में छात्रों को उपलब्ध कराए जाने वाले भोजन की गुणवत्ता की भी जांच की। अधिकारियों ने भोजन की व्यवस्था देखी और संबंधित कर्मचारियों से इसकी गुणवत्ता, साफ-सफाई तथा वितरण व्यवस्था के बारे में जानकारी ली। इसके अलावा विद्यालय परिसर में उपलब्ध अन्य सुविधाओं का भी जायजा लिया गया। अधिकारियों ने विद्यालय प्रबंधन को निर्देश दिए कि छात्रों की मूलभूत सुविधाओं में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

छात्रों के आंदोलन के बाद सक्रिय हुआ प्रशासन

गौरतलब है कि बुधवार को हसनगंज क्षेत्र के न्योतनी स्थित जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय के छात्र अपनी विभिन्न समस्याओं को लेकर सड़क पर उतर आए थे। बड़ी संख्या में छात्रों के विरोध प्रदर्शन की जानकारी मिलते ही प्रशासन और पुलिस के अधिकारियों में हलचल मच गई थी। छात्रों ने विद्यालय की व्यवस्थाओं और अपनी विभिन्न मांगों को लेकर नाराजगी जताई थी।

इस दौरान डीएम और एसपी ने छात्रों से उनकी पढ़ाई, रहने की व्यवस्था, भोजन की गुणवत्ता, सुरक्षा और अन्य सुविधाओं के बारे में विस्तार से जानकारी ली। अधिकारियों ने छात्रों को अपनी समस्याओं को खुलकर बताने के लिए प्रोत्साहित किया, ताकि उनका समय पर समाधान किया जा सके।

उन्नाव में ग्रामीण सफाई कर्मचारियों ने बुलंद की आवाज

पुरानी पेंशन बहाली को लेकर निकली ओपीएस तिरंगा यात्रा

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में उत्तर प्रदेश पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ की जनपद शाखा की ओर से गुरुवार दोपहर पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर विशाल 'OPS तिरंगा यात्रा' निकाली गई। निराला पार्क से शुरू हुई यात्रा अंबेडकर पार्क पहुंचकर संपन्न हुई। हाथों में तिरंगा लेकर बड़ी संख्या में ग्रामीण सफाई कर्मचारियों ने पुरानी पेंशन बहाल करने की मांग को लेकर नारेबाजी की। यात्रा का नेतृत्व संघ के जिलाध्यक्ष संदीप भारतीय ने किया। कर्मचारियों ने कहा कि सेवानिवृत्ति के बाद आर्थिक और

सामाजिक सुरक्षा के लिए पुरानी पेंशन व्यवस्था बेहद जरूरी है। उन्होंने इसे कर्मचारियों के बुढ़ापे का सहारा बताते हुए सरकार से तत्काल OPS बहाल करने की मांग की। जिलामंत्री सुनील कुमार और कोषाध्यक्ष दिनेश कुमार ने

जिलाध्यक्ष संदीप भारतीय ने कहा कि ग्रामीण सफाई कर्मचारी 60 वर्ष की आयु तक सरकार की विभिन्न योजनाओं और स्वच्छता अभियानों को गांव-गांव तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसके बावजूद सेवानिवृत्ति के बाद उनके भविष्य को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। ऐसे में सरकार को कर्मचारियों के हित में पुरानी पेंशन व्यवस्था बहाल करनी चाहिए।

कहा कि एक ही देश में सरकारी कर्मचारियों और जनप्रतिनिधियों के लिए अलग-अलग पेंशन व्यवस्था

एनपीएस पर भी उठाए सवाल

संगठन मंत्री राजेश कुमार और संप्रेषक रोहित कुमार ने कहा कि यदि नई पेंशन योजना (NPS) कर्मचारियों के लिए लाभकारी है तो सांसदों और विधायकों को भी इसी व्यवस्था में शामिल किया जाना चाहिए। कर्मचारियों ने पुरानी पेंशन को अपना अधिकार बताते हुए सरकार से इस पर जल्द निर्णय लेने की मांग की।

होना न्यायसंगत नहीं है। उन्होंने कर्मचारियों को भी पुरानी पेंशन का समान लाभ देने की मांग की। संघ के प्रदेश अध्यक्ष बसंत लाल ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने पुरानी पेंशन बहाल नहीं की तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर कर्मचारी लखनऊ से दिल्ली तक आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे।

इस यात्रा में श्रवण कुमार, सरोज कुमार, राम गोपाल, अशोक भारती, जय प्रकाश, रजनेश, संतोष केहरी, अनुज, अतुल, सर्वेश यादव, बीरेन्द्र, रमेश समेत अजय, सतीश, रामकुमार, रतन मोहन, सुधीर कुमार, सुरेश, किशनपाल, शिवकंठ, राहुल चौधरी, विनोद, भैया लाल, महेश, संगीत, शिव बाबू, राम नरेश, शशिराज, अशोक और रामू सहित सैकड़ों कर्मचारी शामिल रहे।

युवक का शव फंदे से लटका मिला

पोस्टमार्टम रिपोर्ट से खुलेगा मौत का राज

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी के लोनी कटरा थाना क्षेत्र के जौरास गांव में गुरुवार सुबह एक युवक का शव फंदे से लटका मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान 35 वर्षीय मनोज पुत्र रामेश्वर के रूप में हुई है। सुबह परिजनों ने शव देखा तो उनके होश उड़ गए। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोग भी मौके पर जुट गए। परिजनों ने घटना की सूचना तत्काल लोनी कटरा थाना पुलिस को दी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। इसके बाद पुलिस ने परिजनों और आसपास मौजूद लोगों से घटना के संबंध में जानकारी जुटाई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज

दिया है। युवक ने किन परिस्थितियों में फंदा लगाया, इसकी वजह अभी स्पष्ट नहीं हो सकी है। पुलिस मामले में पारिवारिक विवाद, मानसिक तनाव समेत अन्य संभावित कारणों को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। हालांकि, अभी तक जांच में मौत के कारण को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत की सही वजह स्पष्ट होने में मदद मिलेगी।

मौत : पत्नी-ससुराल वालों पर मानसिक प्रताड़ना का आरोप; परिजन बोले- ताने देकर उकसाते थे

युवक का शव फंदे से लटका मिला

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई के बेहटा गोकुल थाना क्षेत्र में सकाहा मंदिर के पास पॉलिथीन नुमा दुकान में 21 वर्षीय सत्यम गुप्ता का शव संदिग्ध परिस्थितियों में बांस पर रस्सी से लटका मिला। परिजन उसे जीवित होने की उम्मीद में मेडिकल कॉलेज ले गए, जहां बुधवार रात करीब 12:10 बजे डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। गुरुवार दोपहर करीब 1:30 बजे शव का पोस्टमार्टम कराया गया। मृतक के भाई शोभित और बड़ी बहन मोनी गुप्ता ने सत्यम की पत्नी मोहिता, सास-ससुर और साली पर मानसिक प्रताड़ना के आरोप लगाए हैं। परिजनों का कहना है कि ससुराल पक्ष के लोग सत्यम को ताने देते थे और कथित

तौर पर ₹जाओ, लटक रहो जाकर₹ जैसे शब्द कहते थे। उनका आरोप है कि लगातार मानसिक दबाव और प्रताड़ना से परेशान होकर सत्यम ने यह कदम उठाया। ग्राम टोडरपुर निवासी सत्यम गुप्ता की शादी नवंबर 2025 में शाहजहांपुर के रौजा निवासी रामखेलावन गुप्ता की बेटी मोहिता से हुई थी। परिजनों के मुताबिक, मोहिता अक्सर मायके जाने को लेकर सत्यम से विवाद करती थी।

गश्त के दौरान पुलिस ने देखा शव

सत्यम अपने भाइयों के साथ सकाहा मेला क्षेत्र में प्रसाद की दुकान चलाता था। बुधवार रात खाना खाने के बाद वह सोने चला गया था। इसी दौरान गश्त कर रही पुलिस की नजर दुकान में फंदे से झूलते सत्यम पर पड़ी। पुलिस की सूचना पर परिजन मौके पर पहुंचे और उसे मेडिकल कॉलेज ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

चार भाई-बहनों में सबसे छोटा था सत्यम

चार भाइयों और चार बहनों में सबसे छोटे सत्यम की मौत से परिवार में कोहराम मचा है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। थानाध्यक्ष मार्कंडेय सिंह ने बताया कि सत्यम के परिजनों ने उसके ससुराल वालों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। मामले की गहनता से जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

> **परिजनों ने बताया कि बीते शुक्रवार को सत्यम के ससुर रामखेलावन मोहिता को अपने साथ मायके ले गए थे। बहन मोनी का आरोप है कि ससुराल पक्ष के लोग फोन पर सत्यम को ताने देते थे। परिजनों का कहना है कि लगातार मिल रहे तानों और मानसिक दबाव के कारण वह अंदर ही अंदर परेशान था।**

रक्षाबंधन से पहले मायके जाने को लेकर हुआ था विवाद

शोभित के अनुसार, रक्षाबंधन से कुछ दिन पहले मोहिता ने सत्यम से मायके जाने की बात कही थी। सत्यम ने उससे रक्षाबंधन से एक-दो दिन पहले जाने के लिए कहा था। इसी बात को लेकर दोनों में कहासुनी हुई थी। इसके बाद ससुराल पक्ष की ओर से भी फोन पर तीखी बातचीत हुई थी।

महिला अस्पताल में एसीएस टीम को मिलीं खामियां

उन्नाव लाहकार टीम ने किया औचक निरीक्षण, दिए सुधार के निर्देश

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव के जिला महिला चिकित्सालय में गुरुवार दोपहर एसीएस की सलाहकार टीम ने औचक निरीक्षण किया। एसीएस के सलाहकार डॉ. प्रभु के नेतृत्व में पहुंची टीम के साथ APTHU की टीम भी मौजूद रही। इस दौरान अस्पताल की व्यवस्थाओं में कुछ खामियां पाई गईं, जिसके बाद तत्काल सुधार के निर्देश दिए गए। टीम ने अस्पताल की ओपीडी, वार्ड, दवा वितरण केंद्र सहित विभिन्न विभागों का गहनता से जायजा लिया। अधिकारियों ने चिकित्सकों और पैरामेडिकल स्टाफ की उपस्थिति की जांच की। अचानक टीम के अस्पताल पहुंचने से कर्मचारियों में हलचल देखी गई। निरीक्षण के दौरान अस्पताल

में साफ-सफाई की स्थिति और मरीजों के लिए उपलब्ध सुविधाओं को भी परखा गया। टीम के सदस्यों ने अस्पताल में भर्ती मरीजों और उनके तीमारदारों से बातचीत कर इलाज, दवाओं और अन्य स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर प्रतिक्रिया (फीडबैक) ली। सामने आई कमियों को चिन्हित करते हुए अधिकारियों ने अस्पताल प्रशासन और संबंधित कर्मचारियों को व्यवस्थाओं में आवश्यक सुधार करने के निर्देश दिए। टीम ने मरीजों को समय पर बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने और अस्पताल परिसर में साफ-सफाई समेत अन्य व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखने पर विशेष जोर दिया। बताया गया कि इस औचक निरीक्षण का उद्देश्य अस्पताल की व्यवस्थाओं को मौके पर परखना और मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं की वास्तविक स्थिति का आकलन करना था।

सम्पादकीय

सुधार कब होगा

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने एक बार फिर अपने विभाग की कमियों को बेबाकी से स्वीकार किया। उन्होंने न केवल यह माना कि राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण में अफसरों और ठेकेदारों की मिलीभगत से तकनीकी एवं वित्तीय योग्यता तय हो रही है, बल्कि यह कहने में भी संकोच नहीं किया कि ठेकेदार सरकारी नियमों का बेजा लाभ उठाने में सफल हैं। ऐसी खरी बातें वे पहले भी कर चुके हैं, लेकिन लगता है उन्हें इसका भान नहीं कि इन खामियों-खराबियों को दूर करने की जिम्मेदारी तो उन्हीं की है। उन्हें सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री पद पर आसीन रहते हुए 12 वर्ष से अधिक का समय हो गया है। यह एक रिकार्ड है। आखिर इतने लंबे अनुभव के बाद भी वे अपने मंत्रालय की कमजोरियों की केवल पहचान ही क्यों कर पा रहे हैं? क्या इन कमजोरियों को दूर करने का काम प्राथमिकता के आधार पर नहीं होना चाहिए? वे इससे अनजान नहीं हो सकते कि बढ़ती मार्ग दुर्घटनाएं और उनमें होने वाली मौतों के कारण उनका मंत्रालय सवालों के घेरे में है।

नितिन गडकरी के इस कथन से संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता कि गलत विस्तृत परियोजना रिपोर्ट यानी डीपीआर तैयार करने वाले सलाहकार राजमार्गों पर होने वाली दुर्घटनाओं के लिए दोषी हैं, क्योंकि ऐसा काम करने वालों को दंडित करने का काम उनके ही मंत्रालय को करना है। यहां प्रश्न यह भी है कि ऐसे अक्षम सलाहकारों की सेवाएं ली ही क्यों जा रही हैं? इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि सड़क दुर्घटनाओं में मरने वालों की संख्या बढ़ती जा रही है। समस्या केवल राजमार्गों पर बढ़ते सड़क हादसों की ही नहीं है। समस्या यह भी है कि आम तौर पर राजमार्ग गुणवत्ता के मानकों पर खरे नहीं उतर पा रहे हैं। स्थिति यह है कि एक्सप्रेसवे तक उद्घाटन के चंद माह बाद ही धंस जा रहे हैं। इससे इन्कार नहीं कि देश में बड़े पैमाने पर सड़क, पुल आदि बन रहे हैं, लेकिन यह प्रश्न अनुत्तरित है कि उनकी गुणवत्ता दोयम दर्जे की क्यों साबित हो रही है? सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री ने निर्माण की गुणवत्ता से समझौता करने वाले ठेकेदारों को काली सूची में डालने की चेतावनी भले ही दी हो, लेकिन सच यह है कि वह असर करती नहीं दिख रही है। कहीं इसका कारण यह तो नहीं कि ऐसे ठेकेदार अपनी कंपनियों के नाम बदलकर फिर से सरकारी ठेके हासिल कर ले रहे हैं? नितिन गडकरी ने उप-ठेकेदारी के नियम बदलने के जो संकेत दिए, वे पर्याप्त नहीं कहे जा सकते, क्योंकि यह काम अब तक हो जाना चाहिए था। आखिर 12 साल एक लंबा कालखंड होता है। यह सही है कि सुधारों का सिलसिला सदैव कायम ही रहता है, लेकिन जो सुधार बहुत पहले हो जाने चाहिए थे, उनका भी लंबित रहना अफसोस और चिंता की बात है।

कर्मों का बहीखाता

आज के युग पीढ़ी दर पीढ़ी में देखा - देखी व होंडा होड़ लग रखी हैं की बस कर्म करते जाओं । कर्म कैसे , क्या , किस तरीक़े से आदि महत्व नहीं हैं बस कर्म करते जाओं । धार्मिक द्रष्टि से बोलें की कर्म करो अर्थात जप, तप, त्याग , तपस्या करते जाओं फल की इच्छा या कामना छोड़ दो तब तक तो ठीक हैं लेकिन मानव के द्वारा मानसिकता में लिया और कुछ ही जा रहा है की कर्म करते जाओं फल की चिन्ता मत करों । कर्म तो अहर्निश हम सदा करते ही जाते हैं। पर क्या ? अच्छे बुरे का हिसाब कभी हम रख पाते हैं। इस और हमारी सोच , चिन्तन कभी जाता ही नहीं है और हम यथार्थ से अनभिज्ञ होते हैं । भर्ती करते दिमाग में बिन सोचे समझे हम बस भरते जाते बिना विवेक कसौटी में कस हम अच्छे पर ध्यान देते कम बुरे को जमा करते जाते। सड़ जाता हमारा दिमाग,कचरे को न साफ़ करके जाने कितनी दुर्गन्ध भर जाती ।इस दिमाग में विष सी जहरीली सोच और निर्णय शक्ति को कर देती विकृत । मिली सिर्फ मानव को ही ये अद्भुत विशेष शक्ति व सदउपयोग कर,पा सकता जन्म जन्मांतर से मुक्ति स्वच्छ पवित्र दिमाग से करता विकास और उन्नति। सुजिंदगी,प्रगति के लिए दिमाग को रखो सदा दरुस्त बेकार,बद विचार ,बातों को निकल करो निरस्त सशक्त चिंतन,स्वस्थ-स्वच्छ दिमाग रख,रहो मस्त -मस्त जीवन खुशहाल होगा आपस में प्रेम व भाईचारा । नन्दन वन सा उद्यान होगा ,इंद्रधनुषी सा रंग धरती पर उतर आएगा स्वर्ग सा रंगमंच। कर्म का उदय या अन्त कह कर नहीं होता हैं । कर्म ही हंसाते है व कर्म ही रुलाते है । न भूल मानव एक दिन इनका भी बिना बौले मार्च (अन्त) आएगा । उसके बाद अप्रैल या नये कोई से भी कर्म इस जन्म में तो नहीं करे जायेंगे । जब इनका भी तलपट कर्म अनुसार बनाया जाएगा और उसी अनुसार हिसाब कर दिया जाएगा।

> प्रदीप छाजेड़

बदलती सामाजिक संवेदनाओं में वृद्धों को चाहिए उजाले

सरकार की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है और इस दिशा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने स्वास्थ्य एवं सामाजिक सुरक्षा को लेकर कई महत्वपूर्ण पहल की हैं।

विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस समाज के अंतर्मन को झकझोरने एवं वृद्धों की त्रासद स्थितियों पर सोचने को विवश करता है कि जिन हाथों ने परिवार की नींव रखी, जिन कंधों ने बच्चों के भविष्य का भार उठाया और जिन अनुभवों ने जीवन की अनेक कठिन राहों को पार करने में अगली पीढ़ियों का मार्गदर्शन किया, उन्हीं वृद्ध माता-पिता को जीवन के अंतिम पड़ाव में अकेलापन, उपेक्षा, असुरक्षा और अपमान क्यों झेलना पड़ रहा है? निश्चित ही कहीं-न-कहीं हमारी सामाजिक संवेदना कमजोर हुई है। जिस समाज में बुजुर्गों का सम्मान सहज संस्कार होना चाहिए था, वहां उनके अधिकारों और सुरक्षा के लिए अलग से दिवस मनाना हमारी सामूहिक आत्मचिंता का विषय है। भारत तेजी से वृद्ध होती आबादी की ओर बढ़ रहा है। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष की इंडिया एजिंग रिपोर्ट 2023 के अनुसार 2050 तक भारत की आबादी में 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों की हिस्सेदारी लगभग 20 प्रतिशत हो सकती है; यानी हर पांच भारतीयों में लगभग एक वरिष्ठ नागरिक होगा। यह केवल जनसांख्यिकीय परिवर्तन नहीं, बल्कि सामाजिक व्यवस्था के सामने आने वाली एक बड़ी चुनौती है। अधिक उम्र तक जीना मानव सभ्यता की उपलब्धि है, लेकिन यदि लंबी आयु के साथ अकेलापन, बीमारी, आर्थिक असुरक्षा और भावनात्मक उपेक्षा जुड़ जाए तो दीर्घ जीवन वरदान के बजाय बोझ जैसा अनुभव होने लगता है। भारत की पारंपरिक संस्कृति में वृद्ध व्यक्ति परिवार के मुखिया, मार्गदर्शक और अनुभव के भंडार माने जाते थे। संयुक्त परिवार में उनकी भूमिका केवल निर्णय लेने तक सीमित नहीं थी, बल्कि वे परिवार की स्मृति, परंपरा और संस्कारों के जीवंत केंद्र होते थे। लेकिन तेजी से बदलती जीवनशैली, महानगरीय संस्कृति, रोजगार के लिए पलायन, छोटे परिवारों की प्रवृत्ति, उपभोक्ता-वाद और बढ़ती व्यक्तिवादी सोच ने इस व्यवस्था को बदल दिया है। आज कई वृद्ध अपने ही घर में रहते हुए भी भावनात्मक रूप से अकेले हैं। उनके पास रहने को छत है, लेकिन संवाद के लिए कोई अपना नहीं; परिवार है, लेकिन समय नहीं; संतान है, लेकिन अपनापन कम होता जा रहा है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि जिस वृद्ध ने जीवनभर परिवार को अपने केंद्र में रखा, सेवानिवृत्ति के बाद वही परिवार उसे अपने केंद्र से बाहर करने लगता है। नौकरी में रहते हुए जिस व्यक्ति की सलाह महत्वपूर्ण थी, नौकरी से मुक्त होते ही उसकी उपयोगिता जैसे समाप्त मान ली जाती है। वृद्धाश्रमों की बढ़ती संख्या इसी बदलती सामाजिक संरचना का संकेत है। हर वृद्धाश्रम दुख की कहानी नहीं है; कुछ स्थानों पर वे अकेले और असहाय वरिष्ठ नागरिकों के लिए सुरक्षा और देखभाल का महत्वपूर्ण माध्यम भी हैं। लेकिन जब वृद्धाश्रम उन माता-पिता का अंतिम ठिकाना बन जाए जिन्हें सक्षम संतान केवल इसलिए घर से दूर कर देती है कि वे आधुनिक जीवन की सुविधाओं के बीच 'असुविधा' बन गए हैं, तब प्रश्न केवल परिवार का नहीं, पूरे समाज के संस्कारों का बन जाता है। संपत्ति अपने नाम कराने के बाद माता-पिता से दूरी बना लेना, उनकी बीमारी को बोझ समझना या उन्हें केवल घरेलू जिम्मेदारियों के लिए उपयोग करना ऐसी प्रवृत्तियां हैं, जिन पर समाज को गंभीर आत्ममंथन करना चाहिए। यह भी सच है कि वृद्धावस्था की समस्या केवल युवाओं की संवेदनहीनता से पैदा नहीं होती। वरिष्ठ नागरिकों को भी बदलते समय के साथ स्वयं को बदलना होगा। नई पीढ़ी की स्वतंत्रता, निजी निर्णय और जीवनशैली को समझना होगा। अनावश्यक हस्तक्षेप से बचते हुए अपने अनुभव को आदेश नहीं, मार्गदर्शन के रूप में प्रस्तुत करना होगा। उम्र बढ़ना स्वाभाविक है, लेकिन मन का बूढ़ा हो जाना अनिवार्य नहीं। वरिष्ठ नागरिक यदि सामाजिक गतिविधियों, अध्ययन, सेवा, आध्यात्मिकता, सामुदायिक कार्यक्रमों और रचनात्मक कार्यों से जुड़े रहें तो उनका जीवन अधिक सक्रिय, सार्थक और आनंदपूर्ण बन सकता है। सुप्रीम कोर्ट का कल आया फैसला बुजुर्गों के लिए कानूनी संजीवनी की तरह है जिसमें न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि यदि संतान माता-पिता की देखभाल और भरण-पोषण की जिम्मेदारी निभाने में विफल रहती है, तो वरिष्ठ नागरिकों की संपत्ति और सम्मान की रक्षा के लिए कानून के तहत बच्चों को उस संपत्ति से बेदखल करने का रास्ता खुला है।

विशेष रूप से 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों को आय की परवाह किए बिना आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत पांच लाख रुपये तक का स्वास्थ्य कवरेज देना एक महत्वपूर्ण कदम है। सरकार के अनुसार अक्टूबर 2024 में शुरू हुए इस विस्तार से लगभग छह करोड़ वरिष्ठ नागरिकों को लाभ पहुंचाने का लक्ष्य है; जून 2026 तक योजना के अंतर्गत 70 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के लिए कवरेज का दायरा इसी दिशा में आगे बढ़ाया गया है। इसी प्रकार अटल वयो अभ्युदय योजना का उद्देश्य केवल वृद्धों को आश्रय देना नहीं, बल्कि स्वास्थ्य, पोषण, सुरक्षा, आवास, सक्रिय एवं उत्पादक वृद्धावस्था, कौशल, परिवहन तथा पीढ़ियों के बीच संबंधों को मजबूत करना भी है। योजना में वरिष्ठ नागरिकों के लिए सहायता, वृद्धाश्रम, सहायक उपकरण, सक्रिय वृद्धावस्था और अनुभव आधारित रोजगार जैसे पहलुओं को भी शामिल किया गया है। ये प्रयास महत्वपूर्ण हैं, लेकिन सरकारी योजनाओं की सफलता अंततः उनके अंतिम व्यक्ति तक प्रभावी पहुंचने पर निर्भर करती है। पेंशन, स्वास्थ्य सुविधा, डिजिटल सेवाओं और कानूनी संरक्षण को अधिक सरल, सुलभ और स्थानीय स्तर पर प्रभावी बनाना अभी भी आवश्यक है। वरिष्ठ नागरिकों के लिए आर्थिक सुरक्षा जितनी जरूरी है, उससे कहीं अधिक जरूरी भावनात्मक सुरक्षा है। पैसा दवा खरीद सकता है, लेकिन अकेलेपन का उपचार नहीं कर सकता। अस्पताल शरीर का इलाज कर सकता है, लेकिन उपेक्षा से घायल मन का उपचार परिवार का प्रेम ही कर सकता है। इसलिए वृद्ध कल्याण को केवल सरकारी योजना या पेंशन के दायरे में नहीं देखा जा सकता। परिवार को यह समझना होगा कि वृद्ध माता-पिता को केवल भोजन और दवा नहीं चाहिए; उन्हें बातचीत चाहिए, सम्मान चाहिए, निर्णयों में सहभागिता चाहिए और यह भरोसा चाहिए कि वे परिवार के लिए अब भी महत्वपूर्ण हैं। आज की युवा पीढ़ी को यह बात विशेष रूप से समझनी होगी कि माता-पिता का वर्तमान हमारे भविष्य का संकेत है। जो व्यवहार हम आज अपने वृद्ध माता-पिता के साथ करेंगे, आने वाला समय उसी व्यवहार को हमारे सामने खड़ा करेगा।

ललित गर्ग

हेमंत सरकार के ...

रामस्वरूप रावतसरे

हेमंत सरकार के निर्णय से एक सड़क से हटा नहीं, दूसरा सड़क पर उतर गया

झारखंड सरकार ने 17 अगस्त को छात्रों के 26 दिन लंबे आंदोलन के दबाव में आखिरकार जेएसए-ससी - सीजीएल समेत टीडीपीएल द्वारा आयोजित परीक्षाओं को रद्द करने का फैसला कर लिया। इसके साथ ही हेमंत सोरेन की सरकार ने 2014 से अब तक जेपीएससी और जेएसएससी की परीक्षाओं और नियुक्तियों की जांच कराने तथा परीक्षा प्रक्रिया में सुधार के लिए उच्चस्तरीय समिति बनाने की भी घोषणा कर दी। सरकार के इस फैसले से उन छात्रों को राहत मिली है, जो लंबे समय से कथित परीक्षा धांधली की जांच और परीक्षाओं को रद्द करने की मांग कर रहे थे। लेकिन इसी फैसले ने एक दूसरा और शायद ज्यादा कठिन सवाल खड़ा कर दिया है। अगर परीक्षा में कुछ लोगों ने गड़बड़ी की थी तो उन लोगों की पहचान और कार्रवाई करने के बजाय पूरी परीक्षा में सफल होकर नौकरी पाने वाले हर अभ्यर्थी को संदेह की नजर से क्यों देखा जा रहा है? विशेषज्ञों की दृष्टि में सरकार ने एक आंदोलन खत्म करने के लिए दूसरा संकट पैदा कर दिया है। हेमंत सरकार का फैसला पहली नजर में छात्रों की जीत दिखाई देता है। लेकिन सड़क पर चल रहे आंदोलन को खत्म करने के लिए एक ऐसा प्रशासनिक फैसला ले लिया है, जिसके दूरगामी परिणाम अब हजारों परिवारों को भुगतने पड़

सकते हैं? यह सवाल इसलिए और गंभीर है क्योंकि जेएसएससी - बीजीएल की परीक्षा पास कर चुके कई अभ्यर्थी अब सरकारी कर्मचारी हैं। वे नौकरी कर रहे हैं और उन्हें वेतन भी मिल रहा है। मगर अब अचानक सरकार कह रही है कि परीक्षा ही रद्द है। तो सवाल है - इन लोगों का क्या होगा?

हेमंत सरकार के फैसले से नाराज कर्मचारी मंगलवार को भारी बारिश के बावजूद रांची के प्रोजेक्ट भवन के बाहर पहुंचे। उनका सवाल बेहद सीधा है और इसे नजर-अंदाज करना सरकार के लिए आसान नहीं होगा। एएसओ के पद पर कार्यरत एक अन्य कर्मी का सवाल सरकार के लिए और असहज करने वाला है। उनका कहना है कि उन्होंने अदालत के फैसले के बाद नौकरी ज्वाइन की थी। उनके अनुसार, सुप्रीम कोर्ट की मंजूरी के बाद 141 पेज के फैसले के आधार पर नियुक्ति हुई। ऐसे में यदि कोई दोषी पाया जाता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए, लेकिन सभी को दोषी मान लेना कहां का न्याय है? एक बड़ा तथ्य यह कि इन कर्मचारियों के सवालों का सरकार के पास फिलहाल कोई साफ और स्पष्ट जवाब दिखाई नहीं देता लेकिन अब झारखंड की हेमंत सरकार को बताना होगा कि- परीक्षा में गड़बड़ी हुई या पूरी भर्ती प्रक्रिया ही भ्रष्ट थी? यही इस पूरे विवाद का सबसे बड़ा सवाल है। अगर सरकार के पास यह प्रमाण है कि पूरी जेएसएससी -सीजीएल परीक्षा ही भ्रष्ट तरीके से आयोजित हुई थी, तो सरकार को सार्वजनिक तौर पर बताना चाहिए कि किस स्तर पर क्या गड़बड़ी हुई। कौन अधिकारी जिम्मेदार था? किस एजेंसी की भूमिका संदिग्ध थी? कितने अभ्यर्थियों को अनुचित लाभ मिला? कितने अभ्यर्थियों ने वास्तव में धोखाधड़ी की? क्या हर चयनित उम्मीदवार को किसी न किसी गड़बड़ी का लाभ मिला था? और अगर सरकार यह साबित नहीं कर सकती कि हर चयनित उम्मीदवार की सफलता संदिग्ध थी, तो पूरी परीक्षा और उससे हुई नियुक्तियों को एक साथ खत्म करने का नैतिक और कानूनी आधार क्या है?

नौकरी कर रहे कर्मचारियों के अनुसार पहले जांच होती तो तथ्य सामने आते। दोषी अलग किए जाते और निर्दोष अलग किए जाते। उसके बाद परीक्षा और नियुक्तियों पर फैसला होता लेकिन सरकार ने पहले परीक्षा रद्द कर दी और अब जांच की बात कर रही है। क्या यह न्याय की उचित प्रक्रिया है? सवाल तो यह भी कि एक छात्र आंदोलन को खत्म करने के लिए हजारों युवाओं का भविष्य दांव पर क्यों?

जानकार कहते हैं कि दरअसल, हेमंत सरकार ने छात्रों की मांग मानकर शायद यह मान लिया कि परीक्षा रद्द कर देने से विवाद खत्म हो जाएगा, लेकिन विवाद अभी खत्म नहीं हुआ, बल्कि और बढ़ने की दिशा में अग्रसर है। छात्र अब भी सीबीआई जांच और अन्य परीक्षाओं को रद्द करने की मांग कर रहे हैं। यानी सरकार ने इतना बड़ा फैसला लिया, लेकिन जिस आंदोलन को शांत करने के लिए फैसला लिया गया, वह पूरी तरह शांत भी नहीं हुआ।

बिना आवास ...

महेन्द्र कुमार

पीएम आवास योजना से सन्तकबीर नगर के जितेन्द्र कुमार की बदली तकदीर

प्रत्येक नागरिक के लिए रोटी, कपड़ा और मकान अनिवार्य आवश्यकताओं में है। यदि ये तीनों चीजें लोगों के पास होंगी तो निश्चित ही उनका गुजर बसर आसानी से हो सकेगा। लेकिन देश एवं प्रदेश में कुछ ऐसे गरीब असहाय परिवार थे जिनके पास अपने परिवार के लिए पक्का मकान नहीं था। गरीबी और निर्धनता के कारण वे अपना आशियाना बनाने में असमर्थ थे और उनका परिवार झोपड़ पट्टी व कच्चे मकान में रहने के लिए विवश था।

बिना आवास वाले गरीबों के दुःख-दर्द को दृष्टिगत रखते हुए मा0 प्रधानमंत्री जी ने 'प्रधानमंत्री आवास योजना' पूरे देश में लागू की जो गरीबों के लिए वरदान साबित हो रही है। इस योजना के माध्यम से गरीब, असहाय लोगों को आशियाना उपलब्ध कराया जा रहा है। अब तक इस योजना से प्रदेश में लाखों बेघरों को पक्का मकान उपलब्ध कराया गया है।

मा० प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी तथा प्रदेश के मा० मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी ने आवास विहीन लोगों के सपनों को साकार किया है। लाभार्थियों द्वारा भी सरकार की कोटि-कोटि प्रशंसा की जा रही है। इस योजना से उनके जीवन में एक नई सोच का संचार हुआ है और अब उनकी जिन्दगी ही बदल गई है।

ऐसी ही एक प्रेरणादायक कहानी जनपद संतकबीर नगर के नगर पंचायत हरिहरपुर, मोहल्ला जवाहर नगर वार्ड नं 06 के निवासी जितेन्द्र कुमार यादव पुत्र विश्राम यादव की है। जितेन्द्र कुमार बताते हैं,' हम गरीब है और मेहनत मजदूरी से घर का खर्चा चलाते थे। जब हमारे पास आवास की सुविधा नहीं थी, तो हमें काफी परेशानी उठानी पड़ती थी। हम अपने परिवार के साथ कच्चे मकान में निवास करते थे। मकान अत्यन्त जर्जर अवस्था में था। दीवारों में दरारें थीं और छत कभी भी गिर सकती थी। 'सबसे बड़ी चिंता यही रहती थी कि अगर हमारा यह मकान गिर गया तो हम कहां रहेंगे। बरसात में छत टपकती थी, गर्मी में उमस लगती थी और सर्दी में ठंड से बचना मुश्किल था। बच्चों के साथ रहना बहुत कठिन था। सीमित आमदनी में घर का खर्च चलाना ही मुश्किल था, ऐसे में पक्का मकान बनवाने का सोचना भी असंभव था।

श्री जितेन्द्र कुमार ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के बारे में हमें जानकारी हुई। यह उनके लिए उम्मीद की नई किरण बनकर आयी। इस योजना का लाभ उठाने हेतु उन्होंने तुरंत आवेदन किया। संबंधित अधिकारियों द्वारा उनका सर्वे किया गया और उन्हें स्वीकृति पत्र प्रदान किया गया। स्वीकृति उपरान्त शीघ्र ही उन्हें अपना स्वयं का पक्का मकान निर्मित करने हेतु तीन किस्तों में धनराशि की प्राप्ति हुई। सरकार से मिली धनराशि से जितेन्द्र कुमार ने अपना पक्का मकान निर्मित कर अपनी आवश्यकताओं को पूरा किया। मजबूत ईंट-सीमेंट की दीवारें, पक्की आरसीसी छत, टाइल वाला फर्श और हवादार कमरे। अब न बरसात का डर है, न आंधी-तूफान की चिंता। जितेन्द्र कुमार कहते हैं, 'पहले लगता था कि जीवन ऐसे ही कट जाएगा। लेकिन पीएम आवास योजना ने हमें नया जीवन दिया। अब हम सम्मान के साथ रह रहे हैं। बच्चों के पढ़ने के लिए अलग कमरा है और परिवार चैन से सोता है।

जरा हटके

बलरामपुर के ग्रामीण...

डॉ0 सीमा गुप्ता

बलरामपुर में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से सशक्त होतीं ग्रामीण महिलाएं

प्रदेश सरकार और केंद्र सरकार की प्राथमिकताओं के अनुरूप ग्रामीण विकास के लिए संचालित योजना 'राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन' जनपद बलरामपुर में महिला सशक्तिकरण और स्वावलंबन का एक प्रभावी माध्यम बनकर उभरी है। सुदूर ग्रामीण अंचलों में निर्धन परिवारों की महिलाओं को संगठित कर उन्हें आजीविका के अवसरों से जोड़ने के सुनियोजित प्रयास अब धरातल पर व्यापक सामाजिक और आर्थिक बदलाव ला रहे हैं।

जनपद बलरामपुर में वर्तमान में 13,524 महिला स्वयं सहायता समूह पूरी सक्रियता के साथ कार्य कर रहे हैं। इन समूहों के माध्यम से हजारों ग्रामीण परिवारों को आर्थिक संबल प्राप्त हुआ है। पारंपरिक रूप से घर की चारदीवारी तक सीमित रहने वाली यहां की ये महिलाएं आज संगठित होकर वित्तीय प्रबंधन, उद्यमिता और सामाजिक विकास की मुख्य धारा में अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज करा रही हैं।

जिला प्रशासन के समन्वय से इन स्वयं सहायता समूहों को स्वावलंबी बनाने के लिए त्रिस्तरीय वित्तीय एवं संस्थागत सहयोग प्रणाली लागू की गई है। समूहों को रिवाल्विंग फंड, सामुदायिक निवेश निधि और बैंकों के माध्यम से सुलभ ऋण की सुविधाएं समयबद्ध रूप से उपलब्ध कराई जा रही हैं। इस वित्तीय समावेशन से ग्रामीण महिलाएं अपनी वित्तीय आवश्यकताओं के लिए साहूकारों के चंगुल से पूरी तरह मुक्त होकर आत्मनिर्भ-रता की राह पर अग्रसर हुई हैं।

इस मिशन का मुख्य लक्ष्य ग्रामीण परिवारों की वार्षिक

आय में स्थायी वृद्धि करते हुए महिलाओं को 'लखपति दीदी' की श्रेणी में लाना है। इसके लिए प्रति परिवार न्यूनतम एक लाख रुपये की वार्षिक आमदनी सुनिश्चित करने का रोडमैप तैयार किया गया है। वित्तीय साक्षरता, कौशल विकास प्रशिक्षण और उद्यम स्थापना के माध्यम से महिलाओं को आय के विविध स्रोतों से जोड़ा जा रहा है।

बलरामपुर के ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका स्रोतों को बढ़ाने के प्रयासों के तहत कृषि और गैर-कृषि दोनों क्षेत्रों में विविध गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। समूह से जुड़ी महिलाएं आधुनिक कृषि पद्धतियों, पशुपालन, डेयरी संचालन के साथ-साथ सिलाई-कढ़ाई, ब्यूटी पार्लर, किराना व्यवसाय, दोना-पत्तल निर्माण, खाद्य प्रसंस्करण और स्थानीय हस्तशिल्प जैसे सूक्ष्म उद्यमों का सफलतापूर्वक प्रबंधन कर रही हैं। जनपद के सदर विकास खंड के अंतर्गत ग्राम पंचायत हंसुआडोल की निवासी शीतला देवी का उदाहरण इस मिशन की सफलता की एक मिसाल है। लगभग दो वर्ष पूर्व स्वयं सहायता समूह से जुड़कर उन्होंने वित्तीय सहायता के रूप में लगभग 70 हजार रुपये की धनराशि प्राप्त की थी। इस पूंजी से उन्होंने अपने परिवार के सहयोग से किराना दुकान एवं ब्यूटी पार्लर का कार्य प्रारंभ किया। उद्यम में निरंतर प्रगति के उपरांत शीतला देवी ने आधुनिक दोना-पत्तल निर्माण मशीन स्थापित कर अपने व्यवसाय का विस्तार किया। आज उनका उद्यम न केवल उनके पारिवारिक जीवन स्तर को ऊंचा उठाने में सफल रहा है, बल्कि उन्होंने गांव के चार अन्य व्यक्तियों को भी अपने यहां नियमित रोजगार उपलब्ध कराया है। शीतला देवी आज पूरे जनपद में एक सफल और अनुकरणीय 'लखपति दीदी' के रूप में पहचानी जा रही हैं।

जनपद में स्थापित 13,524 समूहों के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था का स्वरूप बदल रहा है। जिला प्रशासन द्वारा स्वयं सहायता समूहों, ग्राम संगठनों और संकुल स्तरीय संघों का सुदृढ़ नेटवर्क तैयार किया गया है, जिससे अंतिम पायदान पर खड़ी महिला तक विकास योजनाओं और वित्तीय सेवाओं की सीधी पहुंच सुनिश्चित हो रही है। प्रदेश स्तर पर शुरू की गई नवाचारी पहलों का भी जनपद में प्रभावी क्रियान्वयन देखने को मिल रहा है। समूह की महिलाओं को बैंकिंग कॉरेस्पोंडेंट और विद्युत सखी जैसी विशिष्ट जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। ये दीदियां घर-घर जाकर डिजिटल वित्तीय सेवाएं, पेंशन वितरण, छात्रवृत्ति निकासी और बिजली बिल वितरण एवं राजस्व संग्रह जैसे कार्यों का संपादन कुशलतापूर्वक कर रही हैं।

डिजिटल सेवाओं के विस्तार से जहां एक ओर सुदूर ग्रामीणों को उनके घर पर ही पारदर्शी बैंकिंग सेवाएं मिल रही हैं, वहीं दूसरी ओर इन सेवाओं से जुड़ी महिलाओं को नियमित लाभांश और मानदेय के रूप में सम्मानजनक आय प्राप्त हो रही है। इससे उनके पारिवारिक निर्णय लेने के अधिकार और सामाजिक प्रतिष्ठा में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है।

उद्यमिता विकास के अंतर्गत महिलाओं को विपणन की आधुनिक तकनीकों और उत्पाद पैकेजिंग से भी परिचित कराया जा रहा है। स्थानीय स्तर पर उत्पादित वस्तुओं को व्यापक बाजार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मेलों, प्रदर्शनियों और विशेष बिक्री केंद्रों की व्यवस्था की जा रही है, जिससे ग्रामीण उत्पादों का उचित मूल्य सीधे महिला उत्पादकों को मिल रहा है।

आर्थिक स्वावलंबन ने बलरामपुर की महिलाओं में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और सामूहिकता की भावना का विकास किया है। अब महिलाएं शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण और स्वच्छता जैसे पारिवारिक एवं सामुदायिक विषयों पर सक्रिय होकर निर्णय ले रही हैं।

दादी समेत 3 की मौत, झांसी में ट्रक ने 200 मीटर घसीटा, शवों के टुकड़े बिखरे

4 साल के मासूम पर ट्रक चढ़ा, सिर कटकर अलग

- ट्रक की टक्कर के बाद बाइक सवार भानू, उर्मिला, आनंद रजक और रविंद्र पाल सड़क पर गिर गए।
- शवों के टुकड़े 50 मीटर तक बिखर गए। कर्मचारियों ने टुकड़ों को सड़क से हटाया।

घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

झांसी। झांसी में तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार एक परिवार को रौंद दिया। हादसे में महिला, उसके 4 साल के पोते समेत 3 लोगों की मौत हो गई। पति की हालत नाजुक है। हादसा बुधवार रात 8:30 बजे जिला मुख्यालय से 30 किमी दूर बबीना थाना क्षेत्र में हुआ। टक्कर के बाद ट्रक बाइक को 200 मीटर तक घसीटता हुआ ले गया। 4 साल का बच्चा संस्कार उर्फ भानू (4) बाइक

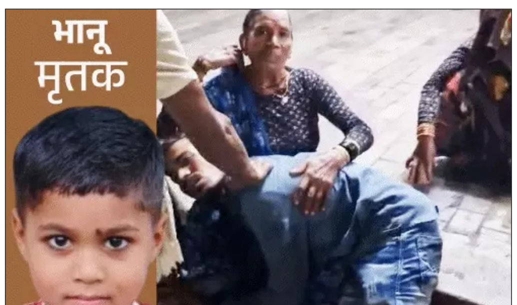

पर सबसे आगे बैठा था। ट्रक का पहिया उसके ऊपर से गुजर गया। सिर और एक पैर धड़ से अलग हो गए। दादी उर्मिला का सिर कुचल गया। दोनों की मौके पर मौत हो गई। शवों के टुकड़े 50 मीटर तक बिखर गए। हादसे में बच्चे के दादा आनंद रजक (48) और बाइक चला रहे पड़ोसी रविंद्र पाल (21) घायल हो गए। दोनों को मेडिकल कॉलेज लाया गया। इलाज के दौरान बुधवार रात 12 बजे रविंद्र ने दम तोड़ दिया। उर्मिला की बेटी की डिलीवरी हुई थी।

जिद करके दादी के साथ आया था पोता

आनंद रजक बबीना थाना क्षेत्र के चंदौली गांव में रहते हैं। वह खेती-किसानी के साथ मजदूरी करते हैं। उनके एक बेटा और 3 बेटियां हैं। महेंद्र, खुशबू और शिवानी की शादी हो चुकी है, जबकि दीक्षा की शादी नहीं हुई है। आनंद के भाई फूलसिंह ने बताया- शिवानी की शादी नोनेर गांव में हुई थी। शिवानी गर्भवती थी। प्रसव पीड़ा होने पर उसे मेडिकल कॉलेज के पास न्यू टाटा हॉस्पिटल में भर्ती करवाया था। जहां उसने एक बेटी को जन्म दिया। बुधवार को बेटी और नवजात नातिन को देखने के लिए बड़े भाई आनंद, भाभी उर्मिला हॉस्पिटल आए थे।

बेटे के बारे में पूछता रहा पिता

बच्चे के पिता महेंद्र ने बताया- बहन की डिलीवरी की वजह से मैं हॉस्पिटल में ही रुक गया था। एंबुलेंस चालक ने फोन करके हादसे की जानकारी दी तो अस्पताल पहुंच गया। एंबुलेंस में घायल पिता और रविंद्र को देखकर अपने बच्चे और मां के बारे में पूछने लगा।

कभी एंबुलेंस चालक तो कभी दरोगा से वह बच्चे के बारे में पूछता रहा। जब उसे पता चला कि हादसे में उसके बच्चे और उसकी मां की मौत हो गई तो वह रोते हुए बेहोश हो गया। परिजनों ने उसे संभाला। महेंद्र खेती-किसानी करता है। उसके दो बेटों में भानू छोटा था।

एक बड़ा बेटा सत्तू (6) है। रास्ते में बीएचईएल स्थित महिमा ढाबे के पास पहुंचे तो तेज गति से आ रहे ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी।

हत्यारोपी समीर इदरीसी के घर बुलडोजर एक्शन

प्रेमिका को परेशान करने पर 16 चाकू मारे थे

तमसा संकेत, एजेंसी

- हत्यारोपी समीर इदरीसी के मकान को गिराने की कार्रवाई गुरुवार को की गई।

शाहजहांपुर। शाहजहांपुर में गौतम मौर्य हत्याकांड के 21वें दिन हत्यारोपी समीर इदरीसी के अवैध मकान को ढहा दिया गया। मकान गिराने के लिए दो बुलडोजर मंगाए गए थे। एक से ध्वस्तीकरण किया गया, जबकि दूसरा रिजर्व में रखा गया। इससे पहले 15-20 मजदूरों ने मकान के अंदर का हिस्सा तोड़ा। गुरुवार सुबह 11 बजे प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। सांप्रदायिक तनाव को देखते हुए एहतियातन भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। पूरे इलाके को घेर दिया गया और हर किसी को आने-जाने से रोक दिया गया। मकान के पास करीब 50 पुलिसकर्मी तैनात रहे। पुलिस के मुताबिक, आरोपी समीर और मृतक गौतम एक ही लड़की को पसंद करते थे। लड़की ने गौतम से बातचीत बंद कर समीर से बात करना शुरू कर दिया था। इससे गौतम नाराज था। वह उसे परेशान करता था। प्रेमिका को परेशान करने पर 31 जुलाई की रात समीर और गौतम के बीच बहस हुई थी। आरोप है कि इसी विवाद में समीर ने गौतम मौर्य (20) की हत्या कर दी। पोस्टमॉर्टम में गौतम के शरीर पर चाकू के 16 गहरे निशान मिले थे।

फास्ट न्यूज

चित्रकूट में कुएं में डूबकर युवक की मौत

चित्रकूट। चित्रकूट के भरतकूप थाना क्षेत्र के हरिहरपुर गांव में गुरुवार को एक 18 वर्षीय युवक की कुएं में डूबने से मौत हो गई। युवक दोपहर में धान लगाने के लिए खेत गया था, जहां पानी भरते समय यह हादसा हुआ। जानकारी के अनुसार, हरिहरपुर निवासी सुनील कबीर (18) पुत्र संतोष दोपहर करीब 12 बजे अपने खेत की ओर गया था। बताया जा रहा है कि वह खेत के पास स्थित कुएं पर पानी भरने के लिए गया था।

पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयंती मनाई गई

हरदोई। हरदोई में शहर कांग्रेस कमेटी ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयंती 20 अगस्त, गुरुवार को मनाई। इस अवसर पर कांग्रेसजनों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम शाम 4 बजे आयोजित किया गया। कांग्रेस नेताओं ने इस दौरान देश के विकास में राजीव गांधी के योगदान और आधुनिक भारत के निर्माण के लिए उनके कार्यों को याद किया। शहर कांग्रेस अध्यक्ष अनुपम दीक्षित ने कहा कि राजीव गांधी ने भारत को 21वीं सदी का आधुनिक और तकनीकी रूप से सक्षम राष्ट्र बनाने का सपना देखा था।

सचेंडी की गत्ता फैक्ट्री में आग लगी

कानपुर। कानपुर के सचेंडी इलाके में गुरुवार को एक गत्ता फैक्ट्री में आग लग गई। यह फैक्ट्री चकरपुर मंडी से करीब आधा किलोमीटर पहले सर्विस रोड पर स्थित ऑडिटोरियल बिल्डिंग में है। आग लगने की सूचना मिलते ही इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही सचेंडी पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। दमकल विभाग की कई गाड़ियां भी घटनास्थल पर पहुंच गईं और आग बुझाने के काम में जुट गईं।

यूपी रोडवेज के आउटसोर्स कर्मचारियों के मानदेय में 5% बढ़ोतरी

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने उत्तर प्रदेश परिवहन निगम में कार्यरत और आबद्ध आउटसोर्स कर्मचारियों के हित में महत्वपूर्ण फैसला लिया है। परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने बताया कि परिवहन निगम में कार्यरत कंप्यूटर ऑपरेटर, लेखाकार कम टैली ऑपरेटर और प्रोग्रामर के मानदेय में 5 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है। बढ़ा हुआ मानदेय जुलाई माह से कर्मचारियों को दिया जाएगा। परिवहन मंत्री ने बताया कि परिवहन निगम में कार्यरत आउटसोर्स कर्मचारियों के मानदेय में प्रतिवर्ष 10 प्रतिशत की वृद्धि का प्रावधान पहले से निर्धारित है। इसके तहत साल में दो बार मानदेय बढ़ाया जाता है। जनवरी माह में 5 प्रतिशत की वृद्धि और जुलाई माह में 5 प्रतिशत की वृद्धि देने की व्यवस्था है। इसी प्रावधान के तहत जुलाई माह से आउटसोर्स कर्मचारियों को बढ़ा हुआ मानदेय मिलेगा। परिवहन निगम की सेवाओं को सुचारू बनाए रखने में आउटसोर्स कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। कंप्यूटर ऑपरेटर, लेखाकार कम टैली ऑपरेटर और प्रोग्रामर निगम के विभिन्न तकनीकी और कार्यालय संबंधी कार्यों को संभालते हैं। परिवहन मंत्री ने कहा कि निगम की सेवाओं को आधुनिक, प्रभावी और व्यवस्थित बनाने के लिए इन कर्मचारियों की तकनीकी दक्षता का महत्वपूर्ण योगदान है। उनके काम का सीधा असर परिवहन निगम की कार्यप्रणाली और सेवाओं पर पड़ता है। दयाशंकर सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार कर्मचारियों और कार्मिकों के हितों के प्रति संवेदनशील है। आउटसोर्स कर्मचारियों के मानदेय में नियमित वृद्धि किए जाने से उन्हें आर्थिक संबल मिलेगा। उन्होंने कहा कि आर्थिक सुरक्षा मिलने से कर्मचारी अधिक उत्साह और प्रतिबद्धता के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर सकेंगे। सरकार का उद्देश्य परिवहन निगम को बेहतर, आधुनिक और यात्री केंद्रित बनाना है।

साइकिल पर बंधा था स्कार्फ, पास में पड़ी मिली चप्पल, दूसरे दिन गोताखोरों ने निकाला शव

विवाहिता का शव नहर से बरामद

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव के सफीपुर में शारदा नहर से गुरुवार दोपहर 23 वर्षीय विवाहिता सोनी का शव बरामद हुआ। बुधवार सुबह नहर किनारे उसकी साइकिल, साइकिल पर बंधा स्कार्फ और पास में चप्पल मिलने के बाद उसके नहर में कूदने की आशंका जताई गई थी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर सामान की पहचान कराई और बिठूर से गोताखोर बुलाकर नहर में तलाश शुरू कराई। करीब एक दिन तक चले सर्च ऑपरेशन के बाद गुरुवार को लिलौरी खोटी के पास नहर से शव बरामद हुआ। मौके पर मिले सामान की पहचान देवगांव निवासी गुलाब सिंह ने अपनी भतीजी सोनी के रूप में की। सोनी का विवाह अप्रैल 2026 में फतेहपुर चौरासी थाना क्षेत्र के रायपुर गांव निवासी कपिल पुत्र रामचंद्र के साथ हुआ था। परिजनों के मुताबिक, वह त्योहार के सिलसिले में दो दिन पहले ही अपने मायके आई थीं। बुधवार सुबह करीब 10 बजे वह सफीपुर जाने की बात कहकर घर से निकली थीं। इसके बाद वह घर नहीं लौटीं। परिजनों ने बताया कि सोनी का मानसिक स्वास्थ्य संबंधी इलाज लखनऊ के एक चिकित्सक से चल रहा था। बुधवार को नहर किनारे उसका सामान मिलने के बाद परिवार को अनहोनी की आशंका हुई। पुलिस ने गोताखोरों की मदद से तलाश शुरू कराई, लेकिन बुधवार को सफलता नहीं मिली। गुरुवार दोपहर शव मिलने के बाद परिजनों ने उसकी पहचान की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है और मामले की जांच की जा रही है।

अप्रैल में हुई थी शादी, त्योहार पर मायके आई थी

सोनी की शादी अप्रैल 2026 में फतेहपुर चौरासी थाना क्षेत्र के रायपुर गांव निवासी कपिल पुत्र रामचंद्र से हुई थी। परिजनों के अनुसार, सोनी त्योहार के सिलसिले में करीब दो दिन पहले ही अपने मायके देवगांव आई थीं। सोनी के भाई लखन यादव ने बताया कि बुधवार सुबह करीब 10 बजे वह सफीपुर जाने की बात कहकर घर से निकली थीं। इसके बाद वह वापस नहीं लौटीं। कुछ समय बाद नहर किनारे उनकी साइकिल और अन्य सामान मिलने की सूचना परिवार को मिली। परिजनों ने यह भी बताया कि सोनी का मानसिक स्वास्थ्य संबंधी इलाज लखनऊ के एक चिकित्सक से चल रहा था। हालांकि नहर में गिरने या कूदने के पीछे की वजह अभी स्पष्ट नहीं हुई है।

नहर किनारे साइकिल, स्कार्फ और चप्पल मिली

सुबह सफीपुर शारदा नहर ब्रांच की लिलौरी पुलिया के पास राहगीरों ने एक साइकिल पड़ी देखी। साइकिल पर महिला का स्कार्फ बंधा हुआ था, जबकि पास में चप्पल पड़ी थी। आसपास कोई महिला नहीं दिखी तो राहगीरों को शक हुआ और उन्होंने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने आसपास के ग्रामीणों से पूछताछ की और मौके पर मिले सामान के बारे में जानकारी जुटाई। कुछ देर बाद देवगांव निवासी गुलाब सिंह ने साइकिल, स्कार्फ और चप्पल की पहचान अपनी भतीजी सोनी के सामान के रूप में की।

समूहक और डिलीवरी सेवा प्रदाताओं के लिए upmyfleet.com पोर्टल शुरू

यूपी में एग्रीगेटर पॉलिसी का पोर्टल लॉन्च, लाइसेंस के लिए अब ऑनलाइन आवेदन

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में एग्रीगेटर पॉलिसी को लागू करने की दिशा में परिवहन विभाग ने बड़ा कदम उठाया है। परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने बताया कि सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय (MoRTH) की गाइडलाइन के तहत एग्रीगेटर पॉलिसी से संबंधित पोर्टल upmyfleet.com को ऑनलाइन कर दिया गया है। अब समूहक (Aggregator) और वितरण सेवा प्रदाता (Delivery Service Provider) का लाइसेंस लेने के लिए निर्धारित प्रारूप में ऑनलाइन आवेदन करना होगा। परिवहन विभाग के मुताबिक संबंधित समूहक और वितरण सेवा प्रदाता पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे।

एनसीआर में प्रदूषण नियंत्रण पर विशेष जोर

एग्रीगेटर पॉलिसी में वाहनजनित वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने पर भी विशेष जोर दिया गया है। खासतौर पर एनसीआर क्षेत्र में संचालित वाहनों की पोर्टल के माध्यम से लगातार निगरानी की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा एग्रीगेटर की फ्लीट में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी की ओर संक्रमण को बढ़ावा देने का प्रावधान भी पॉलिसी में शामिल किया गया है। इससे आने वाले समय में परिवहन क्षेत्र में इलेक्ट्रिक वाहनों के इस्तेमाल को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

मनमाने किराये पर भी नियंत्रण

एग्रीगेटर पॉलिसी में किराये को लेकर भी नियम तय किए गए हैं। एग्रीगेटर द्वारा मनमाने तरीके से किराया बढ़ाने पर रोक लगाने के लिए डायनेमिक प्राइसिंग की व्यवस्था की गई है। इसके तहत निर्धारित बेस फेयर से अधिकतम 50 प्रतिशत तक अतिरिक्त किराया लिया जा सकेगा। इससे पीक टाइम या अधिक मांग के दौरान किराये में होने वाली मनमानी बढ़ोतरी पर नियंत्रण रखने का प्रयास किया गया है। इसके अलावा लाइसेंस की शर्तों, मोटर वाहन अधिनियम और संबंधित नियमावली के प्रावधानों का उल्लंघन करने पर एग्रीगेटर और संबंधित पक्षों के खिलाफ निर्धारित पेनाल्टी की कार्रवाई की जा सकेगी।

शिकायतों के लिए ग्रिवांस अधिकारी की नियुक्ति

यात्रियों की समस्याओं और शिकायतों के समाधान के लिए प्रत्येक एग्रीगेटर को Grievance Redressal Officer नियुक्त करना होगा। इससे यात्रियों को अपनी शिकायत दर्ज कराने और उसका समाधान पाने के लिए एक निर्धारित व्यवस्था उपलब्ध होगी। पॉलिसी में यात्रियों के लिए बीमा की व्यवस्था भी शामिल की गई है। वहीं प्रत्येक चालक के कल्याण के लिए एग्रीगेटर को 5 लाख रुपये का हेल्थ इंश्योरेंस और 10 लाख रुपये का टर्म इंश्योरेंस उपलब्ध कराने का प्रावधान किया गया है।

पिकअप में देरी पर चालक पर 100 रुपये जुर्माना

यात्री द्वारा ट्रिप बुक किए जाने के बाद निर्धारित समय तक पिकअप के लिए नहीं पहुंचने पर चालक पर 100 रुपये की पेनाल्टी लगाने का प्रावधान किया गया है।

मारपीट में घायल राजमिस्त्री की मौत

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। सरोजनीनगर थाना क्षेत्र के अमौसी में मकान निर्माण के औजार और अन्य सामान गायब होने को लेकर हुए विवाद में मारपीट के दौरान घायल राजमिस्त्री की गुरुवार सुबह मौत हो गई। मृतक की पहचान आशीष कुमार द्विवेदी (30) के रूप में हुई है। पुलिस ने मामले में दो आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, 19 अगस्त को दोपहर करीब तीन बजे आशीष कुमार का फूलचंद्र श्रीवास्तव (42) और कल्लू उर्फ श्यामलाल रावत (47) से निर्माण सामग्री और सामान गायब होने को लेकर विवाद हो गया था। विवाद बढ़ने पर दोनों पक्षों के बीच मारपीट हुई, जिसमें आशीष को चोटें आईं। उसका उपचार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सरोजनीनगर में कराया गया था। 20 अगस्त की सुबह करीब नौ बजे आशीष की उसके घर पर मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलने पर सरोजनीनगर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा की कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर सरोजनीनगर थाने में मुकदमा अपराध संख्या 320/2026 दर्ज किया है। मामले में धारा 105, 115(2) और 352 बीएनएस के तहत कार्रवाई की गई है। दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस का कहना है कि मौत के कारणों की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट से होगी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर मामले में आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

खुलासा : एससी मांग रहा स्टेटस रिपोर्ट तो मीडिया में 'क्लीन चिट' की खबरें प्लांट कराना सर्वोच्च न्यायालय का अपमान - संजय सिंह

राम मंदिर ट्रस्ट घोटाले की पुरानी एसआईटी रिपोर्ट का गायब 'पन्ना नंबर 6' संजय सिंह ने किया सार्वजनिक

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। आम आदमी पार्टी के उत्तर प्रदेश प्रभारी और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने आज लखनऊ स्थित पार्टी मुख्यालय में एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए राम मंदिर ट्रस्ट घोटाले में बड़ा खुलासा किया। उन्होंने पूर्व में गठित SIT की रिपोर्ट का वह 'पन्ना नंबर 6' सार्वजनिक किया, जिसे अब तक दबाया गया था। संजय सिंह ने कहा कि जहाँ एक ओर 17 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने जाँच में देरी पर नाराजगी जताते हुए SIT से 'स्टेटस रिपोर्ट' मांगी है, वहीं उसी दिन अखबारों में आरोपियों को 'क्लीन चिट' मिलने की खबरें प्लांट की गईं। उन्होंने इसे सुप्रीम कोर्ट की निगरानी का अपमान और दोषियों को बचाने की एक सोची-समझी साजिश करार दिया। सांसद ने वर्तमान SIT अध्यक्ष किरन एस. को पत्र लिखकर 26 अहम दस्तावेज सौंपने के लिए मिलने का समय मांगा है। सांसद ने बताया कि उन्होंने वर्तमान SIT अध्यक्ष किरन एस. को ईमेल भेजकर मिलने का समय मांगा है। वे पूर्व में दिए गए 13 दस्तावेजों के अलावा 13 नए (कुल 26) दस्तावेज सौंपना चाहते हैं।

गायब 'पन्ना नंबर 6' में दर्ज है अनिल मिश्रा का काला चिट्ठा - संजय सिंह

संजय सिंह ने प्रेस वार्ता में SIT रिपोर्ट की कॉपी दिखाते हुए कहा कि विजय विश्वास पंत की अध्यक्षता वाली SIT रिपोर्ट से पन्ना नंबर 6 गायब कर दिया गया था, जो अब मिल गया है। इस पन्ने में साफ लिखा है कि डॉ. अनिल मिश्रा ने बैंक के साथ तय नियमों (SOP) को शिथिल किया, जिसके कारण मंदिर में चोरी और गबन की परिस्थितियाँ उत्पन्न हुईं। रिपोर्ट के मुताबिक 40 दिन में 70 बार चोरी हुई और 81 लाख रुपये की बरामदगी हुई।

चारों तरफ हुई लूटः चंदा, चढ़ावा, आभूषण और निर्माण में भारी भ्रष्टाचार - संजय सिंह

भ्रष्टाचार के प्रारूप समझाते हुए संजय सिंह ने कहा कि यह घोटाला सिर्फ जमीन तक सीमित नहीं है। चंदे और चढ़ावे की चोरी के साथ-साथ भगवान के आभूषणों का गबन हुआ है। उन्होंने इंजीनियर दीनानाथ वर्मा के हवाले से आरोप लगाया कि अनिल मिश्रा निर्माण कार्यों में 40-40% कमीशन लेते थे।

शिक्षा विरोधी है भाजपा, स्कूल बंद कर अंधभक्त बना रही - संजय सिंह

जौहर यूनिवर्सिटी पर कार्रवाई और स्कूलों की बदहाली पर तंज कसते हुए संजय सिंह ने कहा कि भाजपा का असली नारा अनपढ़ रहेगा इंडिया, तभी तो अंधभक्त बनेगा इंडिया है। प्रदेश में एक लाख से ज्यादा सरकारी स्कूल बंद कर दिए गए, कहीं बिजली नहीं है तो कहीं टॉयलेट नहीं। उन्होंने कहा कि जो सरकार बच्चों के लिए स्कूल नहीं चला सकती, वह सिर्फ शिक्षण संस्थानों को तोड़ने की राजनीति कर रही है। भाजपा का चरित्र हमेशा से देश और जनहित के विरोधी रहा है।

अवैध तमंचा लेकर घूम रहा युवक गिरफ्तार, कारतूस बरामद

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। बिजनौर थाना पुलिस ने अवैध तमंचा लेकर घूम रहे एक युवक को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से 315 बोर का तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय के समक्ष पेश किया। पुलिस के अनुसार, गुरुवार को उपनिरीक्षक आनंद प्रताप सिंह पुलिस टीम के साथ बिजनौर बाजार के पास संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि गोलू होटल के सामने से नक्श सिटी जाने वाले मार्ग पर एक युवक तमंचा लेकर घूम रहा है। सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और आरोपी को पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान हुमेद उर्फ हुमैर (26) पुत्र स्व. सगीर, निवासी घसियारी मोहल्ला, कस्बा व थाना बिजनौर, लखनऊ के रूप में हुई। तलाशी के दौरान उसके पास से 315 बोर का तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा संख्या 223/2026, धारा 3/25 आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज किया। पूछताछ में आरोपी ने पुलिस को बताया कि करीब डेढ़ वर्ष पहले उसे जंगल में तमंचा पड़ा मिला था, जिसे उसने अपने पास रख लिया था। पुलिस के मुताबिक, आरोपी के खिलाफ पहले से आशियाना, बिजनौर और सरोजनी-नगर थानों में तीन मुकदमे दर्ज हैं, जिनमें मारपीट, एससी/एसटी एक्ट तथा पॉक्सो एक्ट से संबंधित मामले शामिल हैं।

पेड़ से लटककर युवक ने की आत्महत्या

बाराबंकी। बाराबंकी के त्रिवेदीगंज विकासखंड की ग्राम पंचायत जौरास में गुरुवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब एक 44 वर्षीय व्यक्ति ने संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाकर जान दे दी। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में मातम छा गया। सूचना पर पहुंची लोनी कटरा थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, जौरास गांव निवासी मनोज कुमार (44) पुत्र रामेश्वर ने गुरुवार सुबह करीब आठ बजे अपने घर में फांसी लगा ली। घटना की जानकारी होने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। कुछ ही देर में घटनास्थल पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। ग्रामीणों के अनुसार, मनोज कुमार पिछले कुछ समय से गंभीर मानसिक तनाव से गुजर रहे थे। हालांकि, उनकी मौत के पीछे की वास्तविक वजह अभी स्पष्ट नहीं हो सकी है। पुलिस मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रही है। बताया गया कि घटना के समय मनोज की पत्नी अपने मायके गई हुई थीं।

आयुषी यादव हत्याकांड : मां-बाप को उम्रकैद

बेटी ने लव मैरिज की थी, घर में गोली मारी, लाश सूटकेस में भरकर मथुरा में फेंकी

कार्यवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा। मथुरा के चर्चित आयुषी यादव हत्याकांड में मां-बाप को उम्रकैद की सजा हुई है। मथुरा कोर्ट ने 4 साल बाद बुधवार को फैसला सुनाया। कोर्ट में आयुषी के पिता नितेश यादव ने अपनी सफाई में सिर्फ इतना कहा कि बेटी की हत्या मैंने की थी, पत्नी का दोष नहीं है। फिर चुप हो गए। मां सिर झुकाए खड़ी रही। जज ने फैसला सुनाते हुए कहा- बेटी की हत्या का अपराध अत्यन्त क्रूर और वीभत्स की श्रेणी में आता है। इसलिए दोषियों पर नम्र रुख अपनाने का कोई आधार नहीं है। अगर दोषी को दंडित नहीं किया तो समाज में गलत संदेश जाएगा। 22 साल की इकलौती बेटी आयुषी की 4 साल पहले पिता नितेश यादव

ने दिल्ली स्थित अपने घर में रिवॉल्वर से गोली मारकर हत्या कर दी थी। वजह सिर्फ इतनी थी कि आयुषी ने राजस्थान के युवक से चुपके से लव मैरिज कर ली थी। हत्या के बाद पिता ने शव को लाल सूटकेस में भरकर 150 किलोमीटर दूर मथुरा के पास यमुना एक्सप्रेस-वे पर फेंक दिया था। इसमें आयुषी की मां ब्रजवाला ने उनका साथ दिया था। शव मिलने के बाद पुलिस ने जांच शुरू की। मथुरा पुलिस मां ब्रजवाला और आयुषी के भाई आयुष को मथुरा लेकर आई। दोनों ने आयुषी की पहचान की थी। बाद में पुलिस ने मां-बाप को गिरफ्तार किया था।

सरकारी वकील मुकेश गोस्वामी ने कहा- पुलिस ने जांच के बाद नितेश यादव और ब्रजवाला के खिलाफ कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की थी। सुनवाई के दौरान सरकारी पक्ष ने गवाहों के बयान और केस से जुड़े सबूत कोर्ट के सामने रखे। इन्हीं के आधार पर कोर्ट ने दोनों को दोषी माना और सजा सुनाई। नितेश यादव पर 7 हजार और ब्रजवाला पर 6 हजार रुपए का जुर्माना लगाया है।

बीसीए में पढ़ रही थी, दूसरी जाति के लड़के से की थी शादी

आयुषी दिल्ली के बदरपुर की रहने वाली थी। साल 2022 में वह ग्लोबल कॉलेज से BCA की पढ़ाई कर रही थी। उसने NEET परीक्षा पास की थी, लेकिन काउंसिलिंग में शामिल नहीं हुई। मां-बाप ने उसे काउंसिलिंग में शामिल होने के लिए काफी समझाया, लेकिन नहीं मानी। आयुषी ने भरतपुर (राजस्थान) के रहने वाले छत्रपाल राजपूत से आर्य समाज मंदिर में चुपचाप शादी कर ली थी। मां-बाप इस शादी के पक्ष में नहीं थे। वारदात के बाद पिता ने पुलिस पूछताछ में बताया था कि आयुषी उनकी हर बात का विरोध करने लगी थी। 17 नवंबर, 2022 की दोपहर आयुषी का मां से झगड़ा हुआ। पिता को पता चला तो उन्होंने आयुषी को समझाया।

दुकान से पॉलिथीन लाए और शव सूटकेस में पैक किया था

बेटी की हत्या के बाद मां-बाप घबरा गए। वह शव को ठिकाने लगाने में जुट गए। पिता घर के पास की दुकान से पॉलिथीन खरीदकर लाए। दोपहर में उसके शव को सूटकेस में पैक किया। देर रात 3 बजे सूटकेस कार में रखा। 18 नवंबर की सुबह 5 बजे दिल्ली के बदरपुर से 150 किलोमीटर दूर मथुरा के पास यमुना एक्सप्रेस-वे पर पहुंचे। यहां सुनसान जगह देखकर सूटकेस फेंक दिया। इसके बाद दिल्ली वापस चले गए। कार पिता चला रहे थे और मां आगे वाली सीट पर बैठी थीं।

फसल बीमा में लापरवाही पर होगी कड़ी कार्रवाई, बैंक प्रबंधक होंगे जवाबदेह

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के प्रभावी क्रियान्वयन, अनुश्रवण एवं किसानों की समस्याओं के समयबद्ध निस्तारण को लेकर जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में जिला स्तरीय मॉनिटरिंग समिति की बैठक हुई। जिलाधिकारी ने किसानों को योजना का पारदर्शी एवं प्रभावी लाभ दिलाने के निर्देश दिए। बैठक में सामने आया कि कुछ मामलों में बैंक द्वारा किसान के खाते से फसल बीमा प्रीमियम काट लिया जाता है, लेकिन बीमा पॉलिसी जनरेट नहीं की जाती अथवा प्रीमियम बीमा कंपनी को हस्तांतरित नहीं किया जाता। ऐसे में फसल क्षति होने पर किसान बीमा लाभ से वंचित रह जाता है। कुछ मामलों में प्रीमियम काटने और पॉलिसी जारी होने के बाद भी क्षतिपूर्ति राशि किसी अन्य व्यक्ति के खाते में भेजे जाने की शिकायतें भी सामने आई हैं। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि ऐसे मामलों की जांच कराई जाएगी। त्रुटि या लापरवाही पाए जाने पर संबंधित बैंक शाखा प्रबंधक की जवाबदेही तय की जाएगी। उन्होंने कहा कि बैंक की लापरवाही के कारण किसी किसान को योजना के लाभ से वंचित नहीं होने दिया जाएगा। जांच के बाद किसान को हुई वास्तविक वित्तीय क्षति की नियमानुसार वसूली संबंधित बैंक शाखा प्रबंधक एवं जिला स्तरीय कॉर्डिनेटर से कराने की कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने खरीफ-2026 में गैर-ऋणी किसानों की बीमा पॉलिसियों का समिति गठित कर शत-प्रतिशत स्थलीय सत्यापन कराने के निर्देश भी दिए। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि वास्तविक किसानों का ही बीमा हुआ हो और योजना में किसी प्रकार की अनियमितता न हो।

फास्ट न्यूज

आरसी ट्रांसफर कराने पहुंचे वाहन मालिक लौटे

आगरा। आगरा में बुधवार को वाहन बेचने के बाद आरसी ट्रांसफर कराने आरटीओ पहुंचे कई वाहन मालिकों को बिना काम कराए लौटना पड़ा। परिवहन विभाग ने पिछले साल से सारथी और वाहन पोर्टल पर मोबाइल नंबर अपडेट और ऑनलाइन वेरिफिकेशन अनिवार्य कर दिया है। ऐसे में जिन वाहन मालिकों का मोबाइल नंबर अपडेट नहीं है, उनकी आरसी ट्रांसफर की फाइल आगे नहीं बढ़ पा रही है।

अलीगढ़ में मिला युवक का शव

अलीगढ़। देहली गेट थाना क्षेत्र के शाहजमाल स्थित छोटे क्वार्टर (मायावती क्वार्टर) में बुधवार देर रात एक युवक का गला कटा शव मिला। मृतक की पहचान कादिर के बेटे राशिद के रूप में हुई है। घर के अंदर फर्श पर खून फैला हुआ था और राशिद का शव खून से लथपथ हालत में पड़ा मिला। मौके से एक चाकू भी बरामद हुआ है। परिजनों ने राशिद की पत्नी, साले, ससुर और अन्य मायके पक्ष के लोगों पर हत्या का आरोप लगाया है। हालांकि पुलिस का कहना है कि अभी मामले में कोई लिखित तहरीर नहीं मिली है।

शराबियों पर पुलिस का शिकंजा

अलीगढ़। अलीगढ़ में सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीकर हुड़दंग करने और महिलाओं से अभद्रता करने वालों के खिलाफ पुलिस ने बुधवार शाम जिलेभर में बड़ा अभियान चलाया। जनसुनवाई में लगातार मिल रही शिकायतों के बाद एसएसपी नीरज कुमार जादौन खुद सादे कपड़ों में सड़क पर उतरे और संवेदनशील इलाकों का औचक निरीक्षण किया।

एमआईईटी और यूकॉस्ट में एमओयू

रिसर्च और इनोवेशन को मिलेगा नया मंच

तमसा संकेत, संवाददाता

मेरठ। मेरठ इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (एमआईईटी) और उत्तराखंड स्टेट काउंसिल फॉर साइंस एंड टेक्नोलॉजी (यूकॉस्ट) के बीच पांच साल के लिए एमओयू हुआ। इसका उद्देश्य शोध, इनोवेशन और नई तकनीकों को सामाजिक जरूरतों से जोड़ना है। एमओयू पर यूकॉस्ट के महानिदेशक प्रो. (डॉ.) दुर्गेश पंत और एमआईईटी के कैंपस डायरेक्टर प्रो. (डॉ.) संजय कुमार सिंह ने हस्ताक्षर किए। समझौते के तहत इंजीनियरिंग, बायोटेक्नोलॉजी और हिमालयी विज्ञान में संयुक्त रिसर्च प्रोजेक्ट होंगे। यूकॉस्ट से जुड़े इनोवेटर्स और शोधार्थी एमआईईटी की एआईसीटीई आइडिया लैब, एसीआईसी और एआई, मशीन लर्निंग

व क्लाउड कंप्यूटिंग से जुड़े सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की सुविधाओं का लाभ ले सकेंगे। नए विचारों को प्रोटोटाइप और बाजार-उन्मुख उत्पादों में बदलने पर जोर रहेगा।

हिमालयी पारिस्थितिकी, औषधीय एवं सुगंधित पौधों के संरक्षण और उनके व्यावसायीकरण के साथ ग्लेशियर व झील संरक्षण पर भी संयुक्त अध्ययन किया जाएगा। संयुक्त शोध से तैयार आईपीआर के पेटेंट में यूकॉस्ट का पेटेंट इंफॉर्मेशन सेंटर तकनीकी सहयोग देगा।

परिजनों ने थाने में की शिकायत, टीचर को मथुरा से और छात्र को दिल्ली से किया बरामद

छात्र को शिक्षिका से हुआ प्यार

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। ताजनगरी आगरा में एक पब्लिक स्कूल की शिक्षिका और कक्षा 11 में पढ़ने वाले छात्र के एक साथ घर से चले जाने का मामला सामने आया है। दोनों आगरा से ट्रेन के जरिए कई शहरों तक पहुंचे। परिजनों की शिकायत के बाद सक्रिय हुई पुलिस ने बुधवार रात शिक्षिका को मथुरा और छात्र को दिल्ली से बरामद कर लिया। पुलिस दोनों से पूछताछ कर पूरे मामले की जांच कर रही है। छात्र के शिक्षिका के पास पहुंचने के बाद दोनों ने आगरा से बाहर जाने का फैसला किया। दोनों स्कूटी से आगरा कैंट रेलवे स्टेशन पहुंचे और वहां से ट्रेन पकड़ ली। पुलिस की जांच में सामने आया कि दोनों पहले ग्वालियर पहुंचे। ग्वालियर से दोनों बयाना गए। इसके बाद कैला देवी मंदिर पहुंचे और वहां दर्शन किए। मंदिर में

दर्शन के बाद दोनों मथुरा के लिए रवाना हो गए। इस दौरान छात्र और शिक्षिका लगातार एक-दूसरे के संपर्क में रहे। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। छात्र और शिक्षिका के मोबाइल फोन की लोकेशन खंगाली गई। इसके साथ ही आगरा कैंट स्टेशन और रास्ते में आने वाले स्थानों के सीसीटीवी फुटेज भी जांचे गए। जांच के दौरान पुलिस को दोनों के अलग-अलग शहरों में होने की जानकारी मिली। इसके बाद पुलिस की दो टीमों को अलग-अलग स्थानों पर भेजा गया। पुलिस ने छात्र का मेडिकल परीक्षण कराया है। उसके बयान भी दर्ज किए जाएंगे। वहीं शिक्षिका से भी पूछताछ की जा रही है। पुलिस छात्र और उसके परिजनों के बयान के साथ ही मोबाइल और सीसीटीवी से मिले साक्ष्यों को जांच का हिस्सा बना रही है।

माता-पिता की डांट के बाद नाराज था छात्र

पुलिस के अनुसार, छात्र के अपने माता-पिता से कुछ समय से पढ़ाई को लेकर मतभेद चल रहे थे। बताया जा रहा है कि घर में डांट पड़ने पर वह अपनी बातें शिक्षिका से साझा करता था। इसी दौरान छात्र और शिक्षिका के बीच फोन पर बातचीत होने लगी और दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ने की बात सामने आई है। कुछ दिन पहले पढ़ाई को लेकर पिता ने छात्र को डांटा था। इससे नाराज होकर छात्र ने घर से दूर जाने का मन बना लिया। बुधवार को उसने स्कूल जाने के बजाय वहां से बंक किया और सीधे शिक्षिका के पास पहुंच गया।

मथुरा पहुंचने के बाद दोनों अलग हुए

पुलिस के मुताबिक, मथुरा पहुंचने के बाद दोनों कुछ समय तक साथ रहे। इसके बाद छात्र अकेले दिल्ली चला गया, जबकि शिक्षिका मथुरा में ही रुक गई। दोनों के अलग-अलग शहरों में पहुंचने के बाद पुलिस ने उनकी तलाश तेज कर दी। इधर, छात्र के घर नहीं लौटने पर परिवार के लोग परेशान हो गए। काफी तलाश के बाद जब उसका कोई पता नहीं चला तो परिजनों ने पुलिस से शिकायत की। उन्होंने शिक्षिका पर छात्र को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाने का आरोप लगाया।

मथुरा से शिक्षिका, दिल्ली से छात्र बरामद

पुलिस टीम ने बुधवार रात मथुरा में दबिश देकर शिक्षिका को बरामद कर लिया। वहीं दूसरी टीम ने दिल्ली में छात्र का पता लगाकर उसे भी बरामद कर लिया। दोनों को पुलिस अपने साथ ले आई है और पूरे घटनाक्रम को लेकर पूछताछ की जा रही है।

मौसम बदलते ही बढ़ी बीमारियां, मथुरा में 20 से अधिक निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित

शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में रोजाना लगाए जा रहे तीन स्वास्थ्य कैंप

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। मौसम में लगातार हो रहे बदलाव के बीच बढ़ रही मौसमी बीमारियों को देखते हुए ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने का अभियान जारी है। जिला पंचायत अध्यक्ष एवं कृष्ण मोहन (केएम) विश्वविद्यालय के कुलाधिपति किशन चौधरी के निर्देश पर केएम अस्पताल की ओर से अलग-अलग क्षेत्रों में लगातार स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में केएम अस्पताल की मार्केटिंग टीम ने टाउनशिप, गौशाला और राधेश्याम कॉलोनी स्थित मंदिर परिसर में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर लगाए। शिविरों में सुबह से ही बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी स्वास्थ्य जांच कराने पहुंचे। सैकड़ों लोगों ने विशेषज्ञ

चिकित्सकों से परामर्श लिया और उन्हें आवश्यक दवाएं भी निःशुल्क उपलब्ध कराई गईं। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार, जनपद में अब तक 20 से अधिक निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर सफलतापूर्वक लगाए जा चुके हैं। शहर और ग्रामीण क्षेत्रों को मिलाकर प्रतिदिन करीब तीन स्वास्थ्य कैंप आयोजित किए जा रहे हैं। आने वाले दिनों में भी अलग-अलग क्षेत्रों में इस तरह के शिविर लगातार जारी रखने की योजना है। स्वास्थ्य शिविरों का उद्देश्य लोगों को उनके क्षेत्र में ही विशेषज्ञ चिकित्सकीय परामर्श उपलब्ध कराना और समय रहते बीमारियों की पहचान कर उपचार की सुविधा देना है। शिविर में केएम अस्पताल के विभिन्न विभागों के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने मरीजों की जांच की। मेडिसिन विभाग से डॉ. महेश और डॉ. विजय, बाल रोग विभाग से डॉ. साहिन, ईएनटी विभाग से डॉ. चन्दू, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रियंका, त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉ. मोली, सर्जरी विभाग से डॉ. अंकित, मनोरोग विभाग से डॉ. रमनीत, हड्डी रोग विभाग से डॉ. सिद्धांत समेत चिकित्सकों की टीम ने महिला, पुरुष और बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। डॉक्टरों ने मरीजों की स्वास्थ्य समस्याओं को समझने के बाद उन्हें आवश्यक परामर्श दिया। जरूरत के अनुसार मरीजों को निःशुल्क दवाएं भी वितरित की गईं।

आज दोपहर 2 बजे से दिल्ली हाईवे पर भारी वाहनों की नो एंट्री

सावन के आखिरी सोमवार पर मुरादाबाद में रूट डायवर्जन

तमसा संकेत, एजेंसी

मुरादाबाद। सावन के अंतिम सोमवार पर कांवड़ियों की संभावित भारी भीड़ को देखते हुए मुरादाबाद में यातायात व्यवस्था बदल दी गई है। गुरुवार दोपहर 2 बजे से दिल्ली हाईवे पर भारी वाहनों की एंट्री बंद रहेगी। वहीं कांठ रोड पर एकतरफा यातायात व्यवस्था लागू की जाएगी। यह व्यवस्था सोमवार शाम 6 बजे तक प्रभावी रहेगी। एसपी यातायात सुभाष चंद्र गंगवार के मुताबिक, हरिद्वार और ब्रजघाट से गंगाजल लेकर कांवड़ियों के जत्थे लौट रहे हैं। बरेली, पीलीभीत और बदायूं के कांवड़िये भी अपने घरों की ओर जा रहे हैं। ऐसे में दिल्ली हाईवे और कांठ रोड पर यातायात का दबाव बढ़ने की संभावना है।

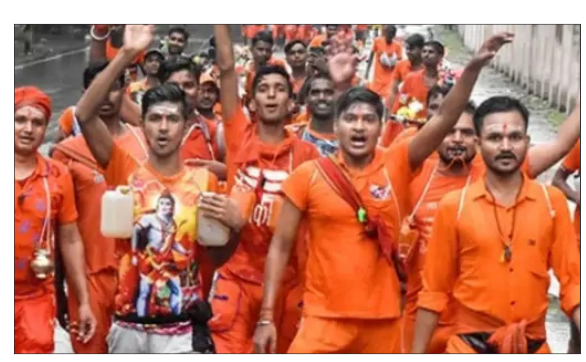

कांठ रोड पर एक लेन कांवड़ियों के लिए

कांठ रोड पर एक लेन कांवड़ियों के लिए आरक्षित रहेगी। दूसरी लेन से हल्के वाहन गुजरेंगे। यदि कांवड़ियों की संख्या ज्यादा बढ़ी तो कार और अन्य हल्के वाहनों को भी वैकल्पिक मार्गों पर भेजा जा सकता है। यातायात पुलिस के अनुसार कांवड़ियों की संख्या बढ़ने पर जरूरत के हिसाब से हल्के वाहनों के रूट में भी बदलाव किया जा सकता है। पुलिस ने वाहन चालकों से अपील की है कि वे डायवर्जन के दौरान निर्धारित वैकल्पिक मार्गों का ही इस्तेमाल करें।

दिल्ली जाने वाले भारी वाहनों के रूट बदले

- **शाहजहांपुर से दिल्लीः बदायूं, बबराला, नरौरा, बुलंदशहर और हापुड़।**
- **मुरादाबाद से दिल्लीः संभल, बबराला, नरौरा, बुलंदशहर और हापुड़।**
- **बरेली/रामपुर से दिल्लीः बिलारी, सिरसी, संभल, चौधरी सराय और गंगा एक्सप्रेस-वे।**
- **मुरादाबाद से मेरठ/दिल्लीः गांगन तिराहा, मनोटा, सिरसी, संभल, बबराला, नरौरा, डिबाई, बुलंदशहर और हापुड़।**
- **दिल्ली-गाजियाबाद से रामपुर/बरेली/लखनऊः हापुड़, सिंभावली, डिबाई, नरौरा और बदायूं।**
- **बिजनौर/हरिद्वार की ओरः काशीपुर तिराहा, ठाकुरद्वारा, जसपुर, अफजलगढ़ और धामपुर।**

पृष्ठ 01 का शेष...

कांग्रेस का पूरा वंदे...

यह फैसला 15 अगस्त को कांग्रेस मुख्यालय में वंदे मातरम के गायन को लेकर हुए विवाद के बाद आया। अमित शाह ने कहा, कांग्रेस का सिर्फ दो पैरा वंदे मातरम गाने का फैसला तुष्टीकरण और वोट बैंक की राजनीति है। देश में अब तुष्टीकरण की राजनीति नहीं चलेगी। 1937 में कांग्रेस ने वंदे मातरम को दो हिस्सों में बांटने का फैसला किया था। आज कांग्रेस उसी पुराने फैसले को फिर लागू कर रही है। देश की जनता को कांग्रेस के इस फैसले के खिलाफ आवाज उठानी चाहिए। BJP इसका जनता के बीच और संसद और विधानसभा में भी जोरदार विरोध करेगी वंदे मातरम विवाद पर भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने बुधवार को कहा कि कांग्रेस ने वोट बैंक की राजनीति के लिए राष्ट्रीय गीत का अपमान किया है। कांग्रेस अब नई मुस्लिम लीग बन गई है। यह फैसला वंदे मातरम को अपने मन में रखकर बलिदान देने वाले शहीदों का अपमान है। वंदे मातरम को लेकर भाजपा और कांग्रेस के बीच विवाद 15 अगस्त को शुरू हुआ। BJP ने आरोप लगाया कि कांग्रेस मुख्यालय में स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान पूरा वंदे मातरम गाए जाने पर सोनिया गांधी ने इसे रोकने की कोशिश की। BJP ने इसका वीडियो भी X पर शेयर किया और दावा किया कि राहुल गांधी भी पूरे गायन के दौरान परेशान दिखे। भाजपा के आरोपों पर कांग्रेस ने सफाई दी थी। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि कांग्रेस मुख्यालय में पूरा वंदे मातरम गाया गया था और इसे रोकने की कोई कोशिश नहीं हुई। उनके मुताबिक, सोनिया गांधी का इशारा गीत रोकने के लिए नहीं था। वह कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के लिए कुर्सी मांग रही थीं क्योंकि वे लंबे समय से खड़े थे।

यूपी में 10 हजार...

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) क्षेत्र में स्थापित होने वाली इन औद्योगिक इकाइयों के माध्यम से 10,000 से अधिक युवाओं के लिए प्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश आज देश की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो चुका है और निवेश व नवाचार के प्रमुख केंद्र के रूप में तेजी से उभर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश आज भारत का 'ग्रोथ इंजन' बनकर उभरा है। बीते नौ वर्षों में प्रदेश के बजट, जीएसडीपी (GSDP) और प्रति व्यक्ति आय को तीन गुना करने में सफलता हासिल हुई है। समारोह में मौजूद केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भारत और जापान के संबंधों को दो महान सभ्यताओं का संगम बताया। वहीं, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि यह सम्मेलन भारत-जापान तथा उत्तर प्रदेश-यामानाशी प्रांत के आपसी संबंधों को और अधिक मजबूती प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि भारत 6 से 8 प्रतिशत की सतत विकास दर और नियंत्रित मुद्रास्फीति के साथ विश्व की सबसे मजबूत अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है।

राम मंदिर निर्माण...

चंपत राय ने कहा कि मंदिर निर्माण से जुड़े फैसले समिति की बैठकों में लिए जाते थे, लेकिन कई मामलों में बाद में बदलाव किए गए और नृपेंद्र मिश्र के फैसलों को प्राथमिकता दी गई। कई मामलों में समिति के अन्य सदस्यों के सुझावों या फैसलों को महत्व नहीं दिया गया। चंपत राय ने लिखा- लेटर में लिखा कि 1528 में बाबर की सेनाओं द्वारा राम जन्मभूमि मंदिर तोड़े जाने के बाद अयोध्या के संतों, स्थानीय राजाओं-रियासतों और गृहस्थ समाज की ओर से मंदिर की भूमि हासिल करने के लिए संघर्ष जारी रहा। 1949 में स्थानीय समाज द्वारा उस स्थान पर कब्जा किए जाने के बाद यह संघर्ष समाप्त हुआ। 1950 से 1989 के बीच स्थानीय अदालतों में चार वाद दायर किए गए। इन मुकदमों को वाद दायर करने वालों ने अपने स्तर पर लड़ा। बाद में इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच की तीन सदस्यीय पीठ ने मामले की सुनवाई की। करीब 15 साल चली सुनवाई के दौरान तीनों न्यायाधीशों ने स्वतंत्र रूप से अपने फैसले लिखे और कुल निर्णय करीब 8,500 पन्नों का रहा। सुप्रीम कोर्ट ने बातचीत के जरिए समाधान निकालने की कोशिश की। तीन सदस्यीय मध्यस्थता समिति बनाई गई थी। मार्च से जुलाई 2019 तक कई दौर की बैठकें हुईं, लेकिन कोई समाधान नहीं निकल सका। इसके बाद 6 अगस्त 2019 से सुप्रीम कोर्ट की पांच सदस्यीय संविधान पीठ ने नियमित सुनवाई शुरू की। 9 नवंबर 2019 को सुप्रीम कोर्ट ने सर्वसम्मति से फैसला सुनाया, जिसके बाद राम मंदिर निर्माण का रास्ता साफ हुआ सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद केंद्र सरकार ने श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र नाम से स्वतंत्र ट्रस्ट का गठन किया। इसमें कुल 15 ट्रस्टियों की व्यवस्था की गई। एक स्थान निर्मोही अखाड़ा और एक स्थान अनुसूचित जाति/जनजाति प्रतिनिधित्व के लिए सुरक्षित रखा। अयोध्या के जिलाधिकारी, उत्तर प्रदेश सरकार और केंद्र सरकार के प्रतिनिधि के तौर पर आईएएस अधिकारियों को पदेन न्यासी बनाए गया। विश्व हिंदू परिषद के दिवंगत नेता अशोक सिंहल के मंदिर निर्माण से जुड़े सुझाव नृपेंद्र मिश्र को बताए गए। मंदिर निर्माण के लिए लार्सन एंड टुब्रो (L&T) का चयन किया गया। निर्माण की निगरानी के लिए टाटा कंसल्टिंग इंजीनियर्स (TCE) को चुना गया। मंदिर परिसर के दूसरे भवनों की डिजाइन के लिए नोएडा की डिजाइन एसोसिएट फर्म और उसके प्रमुख जय काकतीकर को जिम्मेदारी दी गई।

झारखंड पीएससी...

राज्य सरकार ने 22 नियुक्ति परीक्षा रद्द कर दी थी। 23 परीक्षाओं की जांच सीआईडी को सौंपने की अधिसूचना जारी की थी। इसके खिलाफ अब अभ्यर्थी कोर्ट जाने की तैयारी में हैं। सीडीपीओ सहित अन्य अभ्यर्थी भी कोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगे। उच्च शिक्षा मंत्री सुदिव्य कुमार ने कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन और आंदोलन करना सभी का अधिकार है। सरकार ने जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में आंदोलन कर रहे छात्रों के साथ कभी सख्ती नहीं बरती। अब जेएसएससी-सीजीएल के सफल अभ्यर्थी भी धरने पर बैठे हैं, लेकिन उनके खिलाफ भी कोई सख्त कार्रवाई नहीं की जाएगी। झारखंड की राजधानी रांची में 26 दिनों से जारी जेपीएससी-जेएसएससी छात्र आंदोलन को फिलहाल दो महीने के लिए स्थगित कर दिया गया है। जेपीएससी-जेएसएससी रिफॉर्म्स मंच ने सरकार की ओर से प्रतियोगी परीक्षाओं को रद्द करने और छात्रों के हित में लिए गए फैसलों के बाद आंदोलन स्थगित करने की घोषणा की। मंच ने पहले ही स्पष्ट किया था कि सरकार की ओर से संबंधित परीक्षाओं को लेकर आधिकारिक नोटिफिकेशन जारी होने के बाद आंदोलन पर निर्णय लिया जाएगा। 25 जुलाई से छात्रों का आंदोलन शुरू हुआ था। आंदोलन स्थल पर भूख हड़ताल पर बैठे तीन अनशनकारियों राहुल, सबिता और रूपेश का अनशन पद्मश्री मधु मंसूरी और कोतवाली इंस्पेक्टर सनोज कुमार चौधरी ने जूस पिलाकर तुड़वाया. आंदोलन के दौरान सनोज कुमार चौधरी की भूमिका भी चर्चा में रही। पुलिसकर्मी होने के बावजूद वे कई मौकों पर छात्रों के बीच अभिभावक की भूमिका में खड़े नजर आए और आंदोलन के दौरान छात्रों के साथ संवाद बनाए रखा। इधर, आंदोलन खत्म होने के बाद बुधवार शाम में जेपीएससी-जेएसएससी रिफॉर्म मंच और छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो गुट के छात्रों ने जयपाल सिंह स्टेडिय से अभार यात्रा निकाली।

जंतर-मंतर पर पुलिस...

25 जुलाई को शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद खत्म हुआ था। डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस सचिन शर्मा ने हलफनामा दाखिल कर ये जानकारी दी।

इसे पुलिस ज्यादती की कोर्ट की निगरानी में जांच की मांग वाली याचिकाओं के जवाब के तौर पर पेश किया गया है। सुप्रीम कोर्ट इस मामले में हाई लेवल कमेटी बनाएगा।

जम्मू कोर्ट ने पुलिस को जांच के आदेश दिए, 3 सितंबर तक रिपोर्ट मांगी

मिथुन मन्हास की जन्मतिथि पर विवाद

जांच

जम्मू-कश्मीर, एजेंसी

BCCI अध्यक्ष मिथुन मन्हास की जन्मतिथि को लेकर विवाद सामने आया है। जम्मू की स्पेशल रेलवे मजिस्ट्रेट कोर्ट ने उनकी जन्मतिथि में कथित हेरफेर के आरोपों की जांच के आदेश दिए हैं। कोर्ट ने नवाबाद पुलिस को मामले की जांच कर 3 सितंबर 2026 या उससे पहले रिपोर्ट पेश करने को कहा है।

मिथुन मन्हास जम्मू-कश्मीर से BCCI अध्यक्ष बनने वाले पहले व्यक्ति हैं। उन्हें सितंबर 2025 में इस पद के लिए चुना गया था। पूर्व भारतीय फर्स्ट-क्लास क्रिकेटर मन्हास ने अपने क्रिकेट करियर में जम्मू-कश्मीर और दिल्ली को रिप्रेजेंट किया है। मन्हास ने जम्मू-कश्मीर के लिए अंडर-15, अंडर-16 और अंडर-19 क्रिकेट खेला। उन्होंने तीन साल J&K की अंडर-19 टीम का हिस्सा रहते हुए अच्छा प्रदर्शन किया। 1995 में उन्होंने करीब 750 रन बनाए और देश के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले अंडर-19 बल्लेबाज रहे। इसके बाद उन्हें J&K की टीम की कप्तानी भी मिली।

12वीं की परीक्षा के बाद वे पहली बार कुछ महीनों के लिए दिल्ली आए। उस समय उनकी उम्र 17 साल थी। यहां उन्होंने दिल्ली के प्रीमियर टूर्नामेंट में खेलना शुरू किया।

दो रिकॉर्ड में अलग जन्मतिथि

शिकायत में बताया गया है कि मन्हास की जन्मतिथि अलग-अलग रिकॉर्ड में अलग है। महाराजा हरि सिंह एग्रीकल्चर कॉलेजिएट स्कूल (MHAC), नागबनी के रिकॉर्ड के मुताबिक उनकी जन्मतिथि 9 दिसंबर 1977 है। वहीं, दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (DDCA) वेबसाइट पर यह तारीख 12 अक्टूबर 1979 दर्ज होने का दावा किया गया है।

पूर्व डिप्टी एसपी ने शिकायत की

मामला पूर्व डिप्टी एसपी और जम्मू-कश्मीर क्रिकेट एसोसिएशन के पूर्व संयुक्त मानद सचिव सुदर्शन मेहता की शिकायत के बाद सामने आया। मेहता का आरोप है कि मन्हास ने जूनियर क्रिकेट में राष्ट्रीय स्तर पर खेलने की पात्रता का फायदा लेने के लिए अलग-अलग जगहों पर अलग जन्मतिथि दर्ज कराई।

मेहता ने इसी आधार पर धोखाधड़ी, चीटिंग और जालसाजी से जुड़े मामलों में FIR दर्ज करने की मांग की थी। हालांकि कोर्ट ने अभी FIR का आदेश नहीं दिया है।

दिल्ली को कप्तानी में रणजी ट्रॉफी जिताई

दिल्ली के लिए खेलते हुए मन्हास ने मिडिल ऑर्डर में अपनी जगह मजबूत की। 2001-02 सीजन में उन्होंने पहली बार रणजी ट्रॉफी में 1000 से ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में जगह बनाई। इसके बाद वे 2006 से 2008 तक दिल्ली रणजी टीम के कप्तान रहे। उनकी कप्तानी में दिल्ली ने 2007-08 रणजी ट्रॉफी जीती। यह दिल्ली का उस समय 16वां रणजी खिताब था।

क्रिकेट में उम्र से जुड़ा विवाद नया नहीं है। जूनियर क्रिकेट में कम उम्र दिखाकर खेलने के आरोपों में कई खिलाड़ी जांच और कार्रवाई का सामना कर चुके हैं।

प्रज्ञानानंदा सिंकफील्ड कप में दूसरे नंबर पर रहे

वेस्ली सो ने खिताब जीता, तान झोंगयी ने दूसरा केर्न्स कप जीता

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के आर प्रज्ञानानंदा सिंकफील्ड कप चेस टूर्नामेंट में खिताब जीतने से चूक गए। क्लासिकल मुकाबलों के बाद प्रज्ञानानंदा और अमेरिका के वेस्ली सो 5.5-5.5 अंक के साथ संयुक्त रूप से टॉप पर रहे। इसके बाद खिताब के लिए दो रैपिड प्लेऑफ खेली गईं, लेकिन दोनों ड्रॉ रहीं। फिर आर्मगडन में भी मुकाबला ड्रॉ रहा। काले मोहरों से खेलने के कारण सो को विजेता घोषित किया गया। यह वेस्ली सो का तीसरा सिंकफील्ड कप खिताब है। उन्होंने इससे पहले 2016 और 2025 में भी यह टूर्नामेंट जीता था। उन्हें 87,500 डॉलर की पुरस्कार राशि मिली। आर्मागडन में प्रज्ञानानंदा ने सफेद मोहरों से खेला, इसलिए उन्हें जीतना जरूरी था। सो के पास काले मोहरे थे और उनके लिए ड्रॉ पर्याप्त था। मुकाबला ड्रॉ रहा और टाईब्रेक के नियम के अनुसार काले मोहरों से खेलने वाले सो चैंपियन बन गए।

वेस्ली सो पूरे सिंकफील्ड कप में अजेय रहे। उन्होंने 12 बाजियों में 2 जीत दर्ज कीं और 10 मुकाबले ड्रॉ खेले। यह उनका सिंकफील्ड कप में तीसरा खिताब है। इससे पहले उन्होंने 2016 और 2025 में यह ट्रॉफी जीती थी।

खिताब से चूकने के बावजूद प्रज्ञानानंदा ने ग्रैंड चेस टूर (GCT) फाइनल में जगह बनाई है। फाइनल में उनके साथ वेस्ली सो, फैबियानो कारुआना और विंसेंट केमर होंगे।

मिक्स्ड डिसेबिलिटी क्रिकेट-लॉर्ड्स में भारत ने गांगुली जैसा जश्न मनाया

बालकनी में खिलाड़ियों ने शर्ट लहराई, इंग्लैंड को 118 रन से हराया

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय मिक्स्ड डिसेबिलिटी क्रिकेट टीम ने बुधवार को सातवें और आखिरी टी-20 इंटरनेशनल में इंग्लैंड को 118 रन से हरा दिया। भारत ने इस जीत के बाद लॉर्ड्स की बालकनी में सौरव गांगुली जैसा शर्ट लहराकर जश्न मनाया।

भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट पर 206 रन बनाए। अर्जुन गावरे ने 44 गेंदों पर 68 रन बनाए, जबकि कप्तान माजिद मागरे ने सिर्फ 19 गेंदों पर नाबाद 63 रन की पारी खेली।

इसके जवाब में इंग्लैंड की टीम 88 रन पर ऑलआउट हो गई। भारत की ओर से हिलाल अहमद वानी ने 21 रन देकर 4 विकेट और जयेश परमार ने 14 रन देकर 3 विकेट लिए। भारत ने सात मैचों की सीरीज का सातवां मुकाबला जीता, लेकिन इंग्लैंड ने सीरीज 4-3 से अपने नाम की। भारतीय खिलाड़ियों ने लॉर्ड्स में जीत का जश्न खास अंदाज में मनाया।

डिफरेंटली एबल्ड क्रिकेट काउंसिल ऑफ इंडिया ने X पर खिलाड़ियों और अधिकारियों का एक वीडियो शेयर किया, जिसमें सभी लॉर्ड्स की ऐतिहासिक बालकनी में अपने ब्लेजर उतारकर जश्न मनाते नजर आए।

यह जश्न 2002 में इसी मैदान पर इंग्लैंड को हराकर नेटवेस्ट ट्रॉफी जीतने के बाद सौरव गांगुली के मशहूर शर्ट लहराने वाले सेलिब्रेशन की याद दिलाता है। DCCI ने लिखा, जब लॉर्ड्स में भारत जीतता है, तो जश्न का अंदाज अलग होता है। लॉर्ड्स की बालकनी में क्रिकेट की खुशी का यह खास पल था। कोट उतर गए, उत्साह बढ़ गया और तिरंगा गर्व से लहरा रहा था। 118 रन और एक ऐसा जश्न, जिसे भुलाया नहीं जा सकेगा।

मिक्स्ड डिसेबिलिटी क्रिकेट फॉर्मेट में अलग-अलग तरह की अक्षमताओं वाले खिलाड़ी एक साथ खेलते हैं। इसमें शारीरिक, सुनने और सीखने से जुड़ी समस्याओं वाले खिलाड़ी शामिल होते हैं।

171 रन पर ऑलआउट, 6 बैटर्स डबल डिजिट नहीं पहुंचे, ओपनर बेन डकेट ने 15 और इमिलिओ गै ने 33 रन बनाए

पाकिस्तान लीड्स टेस्ट के पहले ही दिन बैकफुट पर

नई दिल्ली, एजेंसी

पाकिस्तान क्रिकेट टीम इंग्लैंड के खिलाफ लीड्स टेस्ट के पहले ही दिन बैकफुट पर है। उसने पहली पारी में 171 रन बनाए। बुधवार को दिन का खेल समाप्त होने तक इंग्लैंड ने अपनी पहली में 2 विकेट पर 112 रन बना लिए हैं। कप्तान जो रूट 37 और जॉर्डन कॉक्स 23 रन पर नाबाद लौटे हैं।

ओपनर बेन डकेट ने 15 और इमिलिओ गै ने 33 रन बनाए। मोहम्मद अब्बस और मोहम्मद अली को एक-एक विकेट मिला।

शफीक के आउट होने के बाद टीम की हालत और खराब हो गई। उसने टी-ब्रेक होने तक 150 रन के स्कोर पर 7 विकेट गंवा दिए थे। पहले दिन के दूसरे सेशन में पाकिस्तानी टीम ने 127 रन बनाने में 5 विकेट गंवाए।

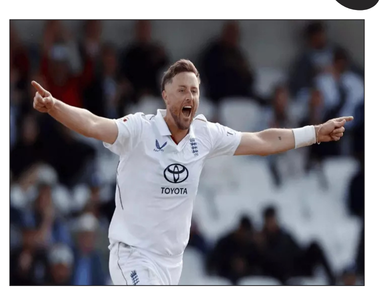

आखिरी सेशन में टीम को ऑलआउट होने में टाइम नहीं लगा। ऑली रॉबिन्सन और जोश टंग ने 5-5 विकेट झटके।

पहले दिन का खेल खत्म होने के बाद मैच में इस्तेमाल की गई गेंद को बीच में से काट दिया गया। क्रिकेट में ट्रेडिशन है कि फाइव विकेट हॉल करने वाला खिलाड़ी गेंद को अपने साथ मैदान के बाहर ले जाता है और उसे अपने पास रखता है। पहले जिन ओली रॉबिंसन ने 5 और 5 विकेट जोश टंग ने लिए। इसके बाद गेंद को दो हिस्सों में काटा गया और एक हिस्सा रॉबिंसन और दूसरा जोश को दिया गया।

बारिश के कारण लौटी पाकिस्तानी टीम की ओर से अब्दुल्लाह शफीक ने फिफ्टी लगाई। जबकि, ओपनर इमाम उल हक ने 42 रन जोड़े। दोनों ने 91 रन की पार्टनरशिप की। इस साझेदारी को ऑली रॉबिन्सन ने तोड़ा। उन्होंने शफीक को बोल्ड किया।

पहले दिन स्टंप्स के बाद पवेलियन लौटते जो रूट और जॉर्डन कॉक्स।

पाकिस्तान ने पहली बॉल पर विकेट गंवाया

पाकिस्तान की शुरुआत खराब रही। टीम ने पहली ही बॉल पर विकेट गंवा दिया। जब ऑली रॉबिन्सन ने फुलर लेंथ की बॉल पर अजान अवैस को जीरो पर LBW कर दिया। उनकी जगह बैटिंग करने उतरे कप्तान शान मसूद भी 5 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। उन्हें भी रॉबिन्सन ने पगबाधा कराया।

लंच ब्रेक तक पाकिस्तान का स्कोर 23/2 रहा। हालांकि, बारिश के कारण काफी देर तक खेल को रोकना पड़ा था।

मनोरंजन

घबराईं एक्ट्रेस बोलीं- तुकाराम जी आप कहां हैं कॉकरोच जनता पार्टी का किया था जमकर विरोध

श्वेता तिवारी ने ड्रिंक ऑर्डर की डिलीवरी में आया कॉकरोच

नई दिल्ली। श्वेता तिवारी ने हाल ही में ऑनलाइन एनर्जी ड्रिंक ऑर्डर की थी। जब ऑर्डर खोला गया, तो उसमें कॉकरोच मिलने से एक्ट्रेस घबरा गईं। एक्ट्रेस ने वीडियो जारी कर महाराष्ट्र में फूड सेफ्टी कार्रवाई से चर्चा में बने हुए FDA ऑफिसर तुकाराम मुंढे से सवाल किया है। साथ ही एक तस्वीर के जरिए उन्होंने कॉकरोच जनता पार्टी पर भी तंज कसा, जिनके प्रोटेस्ट का एक्ट्रेस ने जमकर विरोध किया था।

ऑफिशियल इंस्टाग्राम से शेयर किए गए वीडियो में श्वेता तिवारी ने कहा, 'हमने इंस्टामार्ट से रेडबुल मंगवाया। लेकिन इंस्टामार्ट से हमारे घर में ये (कॉकरोच) भी आया। कॉकरोच पूरे घर में भाग रहा है।'

दूसरे वीडियो में श्वेता ने कॉकरोच दिखाया और कहा, 'क्या हमें तुकाराम मुंढे जी को टैग करना चाहिए। मुंढे जी ये हमारे घर में इंस्टामार्ट से कॉकरोच आ रहे हैं। आप कहां हैं, ध्यान दीजिए।'

श्वेता तिवारी के पूर्व पति राजा चौधरी ने हाल ही में सिद्धार्थ कानन को दिए इंटरव्यू में कहा है कि श्वेता तिवारी के कसौटी को-स्टार सेजान खान के अलावा कई लोगों से अफेयर थे। बातचीत में राजा चौधरी ने ये भी दावा किया है कि कई बार वो श्वेता के टीवी शोज के सेट पर गए थे, तब वो सेट पर नहीं होती थीं और सेजान के साथ बाहर होती थीं।

श्वेता तिवारी ने कॉकरोच जनता पार्टी पर कसा तंज?

श्वेता तिवारी के इस वीडियो को कॉकरोच जनता पार्टी से जोड़ा रहा है। इसके प्रोटेस्ट की श्वेता तिवारी ने कड़ी निंदा की थी। उनका मानना था कि ये पार्टी सोनम वांगचुक का इस्तेमाल कर रही है। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर लिखा था, सोनम वांगचुक एक सच्चे और बेहद महत्वपूर्ण उद्देश्य के लिए लड़ रहे हैं, शिक्षा और हमारे बच्चों के भविष्य के लिए। उनका यह उद्देश्य ध्यान देने योग्य है और सरकार को उनकी चिंताओं को गंभीरता से सुनना चाहिए।

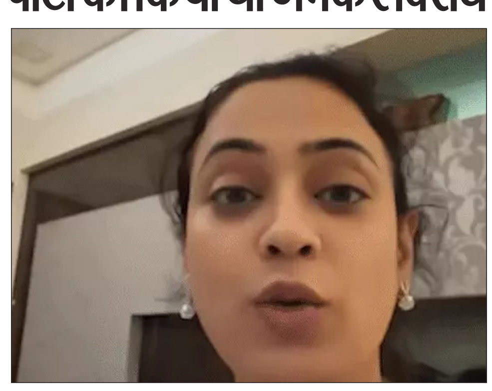

कसौटी जिंदगी की शो से देशभर में पहचान हासिल करने वालीं श्वेता तिवारी इन दिनों अमेजन प्राइम के शो द ट्रेटर्स सीजन 2 में नजर आ रही हैं। इससे पहले श्वेता रियलिटी शो बिग बॉस की विजेता रह चुकी हैं। श्वेता तिवारी अपनी निजी जिंदगी के चलते भी चर्चा में रह चुकी हैं।

सलमान की याचिका पर हटवाया गया काला हिरण का टीजर

प्रोड्यूसर ने हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी

नई दिल्ली, एजेंसी

फिल्म निर्माता अमित जानी ने अपनी फिल्म 'काला हिरणः द बैटल फॉर लिगेसी' का टीजर हटाने के दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील की है। हाईकोर्ट ने सलमान खान की याचिका पर सुनवाई करते हुए टीजर और इससे जुड़ी प्रचार सामग्री हटाने का निर्देश दिया था।

यह फिल्म बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान से जुड़े 1998 के चर्चित काले हिरण के शिकार मामले से प्रेरित बताई जा रही है। सलमान की शिकायत के बाद हाईकोर्ट ने उनके व्यक्तित्व अधिकारों के कथित उल्लंघन का हवाला देते हुए प्रचार सामग्री हटाने का आदेश दिया था।

जानी ने अपनी अपील में कहा है कि यह आदेश अनुचित सेंसरशिप है और उनके अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकार को सीमित करता है। उनका कहना है कि सार्वजनिक रिकॉर्ड और ऐतिहासिक कानूनी मामलों पर किसी का एकाधिकार नहीं हो सकता।

कानूनी विवाद के बीच फिल्म निर्माता की सुरक्षा को लेकर भी चिंता सामने आई है। जानी का दावा है कि संगठित आपराधिक समूहों ने उन्हें और उनके परिवार को जान से मारने की धमकियां दी हैं।

गरीबी में मेल सेक्स वर्कर बनने निकले बाढ़ में उतरकर पीड़ितों को खाना बांटा नेपाल जेल में बिकिनी किलर से मिले

50 के हुए रणदीप हुड्डा

नई दिल्ली। बॉलीवुड के संजीदा एक्टर्स में शुमार रणदीप हुड्डा आज 50 साल के हो गए हैं। पर्दे पर अपनी दमदार एक्टिंग और सीरियस किरदारों से पहचान बनाने वाले रणदीप की असल जिंदगी का एक पहलू इंसानियत से भरा भी है।

जब भी देश के किसी कोने में आपदा आई या लोग तकलीफ में दिखे, रणदीप ग्लैमरस दुनिया से दूर जमीनी स्तर पर मदद के लिए सबसे आगे खड़े नजर आए।

हाल ही में असम में आई भीषण बाढ़ के दौरान भी रणदीप हुड्डा का यही मानवीय चेहरा देखने को मिला। जब बाढ़ के पानी ने असम के कई इलाकों को डुबा दिया, तो रणदीप सोशल मीडिया पर केवल दुख जताकर नहीं रुके।

वे सीधे असम के शिवसागर जिले पहुंचे। यहां वे खुद पानी में उतरे और पीड़ितों को राहत सामग्री बांटी। रेलवे स्टेशन पर बनाए गए राहत कैंपों में रह रहे पीड़ित परिवारों के बीच पहुंचकर उन्होंने भोजन परोसा और लंगर की व्यवस्था संभाली। पर्यावरण के प्रति उनके इसी काम को देखते हुए संयुक्त राष्ट्र (यूएन) ने उन्हें 'जलीय प्रवासी प्रजातियों के संरक्षण' (CMS) के लिए अपना ब्रांड एंबेसडर बनाया था। वे खुद बताते हैं कि उन्हें बचपन से ही जानवरों और प्रकृति से गहरा लगाव रहा है। उन्होंने कई घोड़ों को गोद ले रखा है और बाघ संरक्षण अभियानों में भी वे सक्रिय भूमिका निभाते हैं।

इंसानियत और समाज सेवा का यह जज्बा रणदीप को उनके परिवार से विरासत में मिला है। उनके पिता डॉक्टर और मां आशा हुड्डा एक जानी-मानी सोशल वर्कर हैं। रणदीप का मानना है कि बचपन में मां को दूसरों की मदद करते देखकर ही उनके भीतर भी जरूर-तमंदों के प्रति यह संवेदनशीलता पैदा हुई। रणदीप ने ऑस्ट्रेलिया में रेस्टोरेंट में बर्तन धोए, वेटर का काम किया, कार वाशिंग सेंटर में गाड़ियां धोईं और देर रात तक टैक्सी भी चलाई। संघर्ष इतना बढ़ गया था कि एक वक्त पैसों की सख्त किल्लत के कारण उन्होंने जिगोलो (मेल सेक्स वर्कर) बनने के बारे में भी गंभीरता से सोचा था।

खर्च निकालने के लिए मेल सेक्स वर्कर बनने निकले

स्कूल की पढ़ाई पूरी करने के बाद उच्च शिक्षा के लिए रणदीप हुड्डा ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न चले गए। वहां उन्होंने मार्केटिंग में बैचलर्स की डिग्री ली और उसके बाद बिजनेस मैनेजमेंट व ह्यूमन रिसोर्स में मास्टर्स की पढ़ाई पूरी की। हालांकि, ऑस्ट्रेलिया में उनके दिन बहुत कठिनाइयों में बीते। जेब खर्च निकालने और अपनी पढ़ाई का खर्च उठाने के लिए उन्होंने वहां कई छोटे-मोटे काम किए।

नासिक के सूखे में टैंकर लेकर पहुंचे थे

रणदीप हुड्डा का राहत कार्यों में जुटना हाल की घटना तक सीमित नहीं है। वे लंबे समय से संकट के समय जमीनी स्तर पर सेवा करते आए हैं। 2018 में जब केरल भीषण बाढ़ की चपेट में था और लाखों लोग बेघर हो गए थे, तब रणदीप सीधे केरल के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचे थे। संस्था खालसा एड के साथ मिलकर उन्होंने राहत शिविरों में हजारों लोगों के लिए खाना पकाने से लेकर बांटने तक का काम किया था। बड़े-बड़े बर्तनों में खाना बनाते और बाढ़ पीड़ितों को भोजन परोसते हुए उनकी तस्वीरें भी सामने आईं। केरल के बाद साल 2019 में जब महाराष्ट्र का नासिक जिला भयंकर सूखे की चपेट में था, तब भी रणदीप राहत लेकर पहुंचे। नासिक के वेले गांव में स्थिति इतनी गंभीर थी कि पीने के पानी के कुएं पूरी तरह सूख चुके थे और ग्रामीण बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रहे थे। रणदीप खुद उस गांव में पहुंचे, स्थिति का जायजा लिया और सूखे की मार झेल रहे ग्रामीणों के लिए रोज 25 से 30 पानी के टैंकरों का इंतजाम कराया।

रणदीप हुड्डा सिर्फ प्राकृतिक आपदाओं में ही नहीं, बल्कि पर्यावरण और वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए भी सक्रिय रहे हैं। मुंबई के वर्सोवा बीच और मीठी नदी के सफाई अभियान में वे लगातार पर्यावरण कार्यकर्ता अफरोज शाह के साथ मिलकर खड़े रहे। वीकेंड्स पर जब अन्य बॉलीवुड सेलिब्रिटीज पार्टियों में व्यस्त रहते थे, तब रणदीप सुबह-सुबह वर्सोवा बीच पर ग्लव्स पहनकर कचरा और प्लास्टिक उठाते नजर आते थे।

ईरान जंग के चलते फैसला, यहां 20 सैन्य ठिकानों पर 40 हजार सैनिक तैनात

गल्फ देशों से सैनिकों को कम कर सकता है अमेरिका

विचार

वॉशिंगटन, एजेंसी

ईरान के साथ युद्ध के बाद अमेरिका फारस की खाड़ी (गल्फ) में अपनी सैन्य मौजूदगी कम करने पर विचार कर रहा है। वॉशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, पेंटागन समीक्षा कर रहा है कि क्या अब गल्फ देशों में पहले जितने अमेरिकी सैनिक रखने की जरूरत है।

इसकी बड़ी वजह युद्ध में अमेरिकी सैन्य ठिकानों को हुआ भारी नुकसान है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस दौरान 200 से ज्यादा अमेरिकी सैन्य सुविधाएं क्षतिग्रस्त या तबाह हुई हैं। फिलहाल

अमेरिका जॉर्डन से लेकर ओमान तक फैले करीब 20 सैन्य ठिकानों पर लगभग 40 हजार सैनिक तैनात रखता है। हालांकि, इस पर अभी कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ है। पेंटागन, ज्वाइंट स्टाफ और अमेरिकी सेंट्रल कमांड मिलकर यह आकलन कर रहे हैं कि युद्ध के बाद मध्य पूर्व में अमेरिकी सैन्य तैनाती कैसी होनी चाहिए। पेंटागन में इस समय कई प्रस्तावों पर चर्चा चल रही है। इनमें गल्फ देशों से कुछ सैनिकों और सैन्य

एक प्रस्ताव में कुवैत समेत कुछ गल्फ देशों से सैनिकों और सैन्य उपकरणों को इजराइल के ओवदा एयरबेस भेजने की बात भी कही गई है।

हालांकि, इस प्रस्ताव का प्रशासन के भीतर विरोध भी हो रहा है। कुछ अधिकारियों का कहना है कि इजराइल में अमेरिकी सैन्य मौजूदगी बढ़ने से संवेदनशील खुफिया जानकारी की सुरक्षा पर खतरा बढ़ सकता है।

उपकरणों को जॉर्डन, इजराइल या सऊदी अरब के रेड सी (लाल सागर) तट के करीब तैनात करने का सुझाव दिया गया है। अधिकारियों का मानना है कि ये इलाके ईरान की सीधी मिसाइल और ड्रोन पहुंच से अपेक्षाकृत ज्यादा सुरक्षित हो सकते हैं।

गल्फ में अमेरिका के सबसे बड़े सैन्य ठिकाने

बहरीन में अमेरिकी नौसेना के फिफ्थ फ्लीट का मुख्यालय है। वहीं कुवैत, कतर, संयुक्त अरब अमीरात (UAE) और दूसरे गल्फ देशों में अमेरिका के बड़े सैन्य ठिकाने हैं।

अमेरिका कई दशकों से इन सैन्य ठिकानों के जरिए मिडिल ईस्ट में अपने सैन्य अभियान चलाता रहा है और क्षेत्र के सहयोगी देशों की सुरक्षा में मदद करता रहा है।

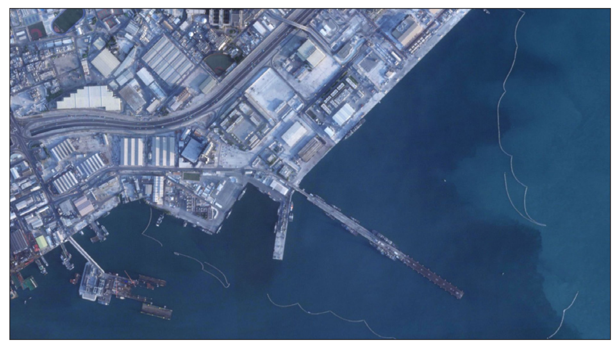

बहरीन के मनामा में अमेरिकी नौसेना के फिफ्थ फ्लीट का हेडक्वार्टर। यह तस्वीर 21 फरवरी 2026 को सैटेलाइट से ली गई।

ईरानी हमलों के बाद बदली रणनीति

ईरान के साथ युद्ध के दौरान अमेरिका के कई सैन्य ठिकाने मिसाइल और ड्रोन हमलों की जद में आए। मार्च में कुवैत के एक सैन्य ठिकाने पर हुए हमले में 6 अमेरिकी सैनिकों की मौत हो गई थी।

रिपोर्ट के मुताबिक, युद्ध में 200 से ज्यादा अमेरिकी मिलिट्री फैसिलिटी को नुकसान पहुंचा। इस दौरान कुल 18 अमेरिकी सैनिकों की मौत हुई है। ईरान के हमलों से बचाव के लिए अमेरिकी सेना को 1000 से ज्यादा एयर डिफेंस इंटरसेप्टर मिसाइलें दागनी पड़ीं। इससे पैट्रियट और थाड जैसे एयर डिफेंस सिस्टम के मिसाइल भंडार पर दबाव बढ़ गया।

अमेरिकी अधिकारियों का मानना है कि भविष्य में ऐसे हमलों का खतरा कम करने के लिए सैनिकों और सैन्य उपकरणों की तैनाती पर दोबारा विचार करना जरूरी है।

चांदी 9,260 बढ़कर 2.38 लाख पर पहुंची

इस साल 1.70 लाख तक जा सकता है

नई दिल्ली, एजेंसी

सोने-चांदी की कीमतें 20 अगस्त को बढ़ गई हैं। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के मुताबिक, एक किलो चांदी की कीमत 9,260 रुपए बढ़कर 2.38 लाख रुपए पहुंच गई है। 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 3,519 रुपए बढ़कर 1.57 लाख रुपए हो गया है।

इस महीने यानी अगस्त में 20 दिन में सोना 15 हजार और चांदी 20 हजार रुपए महंगी हो चुकी है। एक्सपर्ट्स के अनुसार सोना इस साल के आखिर तक 1 लाख 70 हजार रुपए तक जा सकता है।

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 24 हजार रुपए महंगा हो चुका है। 31 दिसंबर 2025 को 10g सोना 1.33 लाख रुपए पर था, जो

अब 1.57 लाख रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.38 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था।

कोटक सिक्युरिटीज के सीनियर वीपी एंड कमोडिटी रिसर्च हेड अनिंद्य बनर्जी कहते हैं कि सोने को आम निवेशकों के साथ ही दुनियाभर के केंद्रीय बैंकों जैसे आरबीआई का भी सपोर्ट हासिल है, जो लगातार सोना खरीद रहे हैं।

फास्ट न्यूज

सीरिया को लेकर इस्राइल और तुर्किये में ठनी

तेल अवीव । इस्राइल के रक्षामंत्री इस्राइल काट्ज ने तुर्किये के राष्ट्रपति रेसेप तैय्यप एर्दोआन पर सीरिया को लेकर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने चेतावनी दी कि इस्राइल अपनी सुरक्षा के लिए किसी भी संभावित खतरे को बर्दाश्त नहीं करेगा। इस्राइल के रक्षामंत्री इस्राइल काट्ज ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पोस्ट पर लिखा, 'तुर्किये के राष्ट्रपति रेसेप तैय्यप एर्दोआन, तुर्किये को सीरिया में खतरनाक कदमों की ओर धकेल रहे हैं।

सेंसेक्स 628 अंक चढ़कर 77,538 पर बंद

नई दिल्ली। शेयर बाजार में आज यानी 20 अगस्त को बढ़त रही। सेंसेक्स 628 अंक चढ़कर 77,538 पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 154 अंक की बढ़त रही, ये 24,232 पर बंद हुआ। मीडिया, रियल्टी और FMCG शेयर्स में आज ज्यादा खरीदारी रही। थर्मल इंजीनियरिंग और स्पेशलाइज्ड केबल बनाने वाली कंपनी टेम्पसेंस इंस्ट्रूमेंट्स लिमिटेड का IPO आज से ओपन हो गया है। निवेशक इसमें 24 अगस्त तक बोली लगा सकेंगे। कंपनी IPO के जरिए 650 करोड़ रुपए जुटाना चाहती है।

जिस एवरग्रांडे ने चीन को संकट में डाला

बीजिंग। शेनझेन की मध्यवर्ती जन अदालत ने चीन के एवरग्रांडे रियल एस्टेट समूह के संस्थापक हुई का यान को गुरुवार को बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी के आरोप में आजीवन कारावास की सजा सुनाई। वहीं, इस कंपनी का पतन तब हुआ, जब 2020 में चीनी सरकारी अधिकारियों ने अधिकी उधार लेने पर कार्रवाई शुरू की।

ढाका यूनिवर्सिटी में चरमपंथी आसिफ अदनान का व्याख्यान

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश में एक बार फिर कट्टरपंथ के बढ़ते साए ने बुद्धिजीवियों और आम नागरिकों की चिंताएं बढ़ा दी हैं।

कट्टरपंथी राजनीतिक दल जमात-ए-इस्लामी के छात्र संगठन 'इस्लामी छात्र शिविर' द्वारा प्रायोजित एक कार्यक्रम में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के कार्यकाल के दौरान आतंकवाद के आरोपों में गिरफ्तार रहे आसिफ अदनान को ढाका यूनिवर्सिटी में मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया। इस घटना ने देश में चरमपंथी विचारधारा के पुनरुत्थान को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

वर्ष 2014 में पुलिस ने आसिफ अदनान को प्रतिबंधित वैश्विक आतंकवादी संगठनों से जुड़े होने के डिजिटल सबूत मिलने के बाद गिरफ्तार किया था। उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश के पुत्र होने के कारण वह जमानत पर रिहा हो गया और बाद में उसका मुकदमा वापस

ले लिया गया था। इसके बाद से वह सोशल मीडिया और पुस्तकों के माध्यम से अपनी चरमपंथी विचारधारा का प्रचार-प्रसार कर रहा था। हाल ही में, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने चेतावनी दी थी कि अल-कायदा बांग्लादेश को अपने स्लीपर सेल स्थापित करने के लिए इस्तेमाल करने की कोशिश कर रहा है। ऐसे संवेदनशील समय में, 'आमार एकुशे हाल' में इस तरह के विवादित व्यक्ति का व्याख्यान होना शिक्षकों, छात्रों और पत्रकारों के बीच भारी चर्चा और चिंता का विषय बन गया है। विश्लेषकों का मानना है कि यदि इस पर समय रहते रोक नहीं लगाई गई, तो यह देश की शांति और सुरक्षा के लिए एक खतरनाक मोड़ साबित हो सकता है।

भारत दौरे पर आ सकते हैं जिनपिंग

12-13 सितंबर को दिल्ली में ब्रिक्स समिट, दोनों देशों में सीमा विवाद पर होगी बात

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत में 12-13 सितंबर को 18वां BRICS सम्मेलन होने जा रहा है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के सम्मेलन में शामिल होने की पुष्टि है। वहीं, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के भी भारत आने की तैयारियां चल रही हैं।

अगर जिनपिंग भारत आते हैं तो यह करीब 7 साल बाद उनकी भारत यात्रा होगी। इससे पहले वे अक्टूबर 2019 में भारत आए थे।

विदेश मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक, चीन की ओर से जिनपिंग के दौरे की अभी औपचारिक पुष्टि नहीं हुई है। हालांकि, दोनों देशों की एडवांस टीमों के दौरे और अन्य तैयारियों से उनके भारत आने की संभावना जताई जा रही है।

इस साल BRICS की कमान भारत के पास है। BRICS दुनिया की बड़ी उभरती अर्थव्यवस्थाओं का समूह है। इसमें भारत, रूस, चीन, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका के साथ

तस्वीर प्रधानमंत्री मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच 2024 में रूस के कजान में हुई मुलाकात की है। दोनों नेता BRICS समिट में शामिल होने पहुंचे थे।

मिस्र, ईरान, इथियोपिया, UAE और इंडोनेशिया भी शामिल हैं। भारत की अध्यक्षता में पूरे साल अलग-अलग शहरों में बैठकें, मंत्रीस्तरीय सम्मेलन और कई स्तर की चर्चाएं हो रही हैं। भारत का फोकस ग्लोबल साउथ की आवाज मजबूत करने, आर्थिक सहयोग, ऊर्जा सुरक्षा, डिजिटल तकनीक, आतंकवाद से निपटने और सप्लाई चेन मजबूत करने पर है।

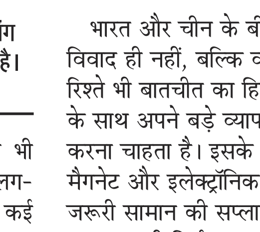

ब्रिक्स सम्मेलन में पुतिन और जिनपिंग दोनों के आने से भारत के लिए यह कूटनीतिक रूप से अहम बैठक बन सकती है।

सम्मेलन के दौरान मोदी-जिनपिंग की संभावित मुलाकात में एलएसी पर शांति, सीमा विवाद, व्यापार और दोनों देशों के रिश्तों को सामान्य करने जैसे मुद्दे प्रमुख रह सकते हैं।

व्यापार और जरूरी सामान की सप्लाई भी एजेंडे में

भारत और चीन के बीच सिर्फ सीमा विवाद ही नहीं, बल्कि व्यापार और आर्थिक रिश्ते भी बातचीत का हिस्सा हैं। भारत चीन के साथ अपने बड़े व्यापार घाटे को कम करना चाहता है। इसके अलावा रेयर अर्थ मैगनेट और इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट जैसे जरूरी सामान की सप्लाई को लेकर भी भारत अपनी निर्भरता कम करने की कोशिश कर रहा है। दोनों देशों के बीच सीमा व्यापार और वीजा प्रक्रिया को आसान बनाने पर भी चर्चा चल रही है।

जिनपिंग से बातचीत में सीमा विवाद सबसे अहम मुद्दा

जिनपिंग के भारत दौरे की तैयारियों में LAC पर शांति और सीमा विवाद सबसे अहम मुद्दों में है। दोनों देश सीमा पर ऐसी व्यवस्था बनाने पर बात कर रहे हैं, जिससे किसी सैन्य घटना या तनाव का असर द्विपक्षीय रिश्तों पर न पड़े।

जिनपिंग की संभावित यात्रा से पहले NSA अजीत डोभाल सीमा मुद्दे पर 25वें दौर की विशेष प्रतिनिधि वार्ता के लिए बीजिंग जा सकते हैं। वहां उनकी चीन के विदेश मंत्री वांग यी से मुलाकात हो सकती है। बातचीत में सीमा प्रबंधन, तनाव कम करने और स्थायी शांति के उपायों पर फोकस रहेगा।

तेल अवीव पुलिस ने एक संदिग्ध को किया गिरफ्तार, जांच जारी

इजरायल में भारतीय नागरिक की हत्या

भारतीय दूतावास इजरायली अधिकारियों के संपर्क में

तेल अवीव, एजेंसी

इजरायल से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। यहां एक भारतीय नागरिक राजीव आचार्य की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। इस घटना के बाद वहां की पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया है। तेल अवीव स्थित भारतीय दूतावास ने इस बात की पुष्टि की है। इजरायल स्थित भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दुख जताते हुए कहा कि वे इस घटना के सभी तथ्यों और परिस्थितियों का पता लगाने के लिए इजरायली अधिकारियों के संपर्क में हैं और मामले पर कड़ी नजर रखे हुए

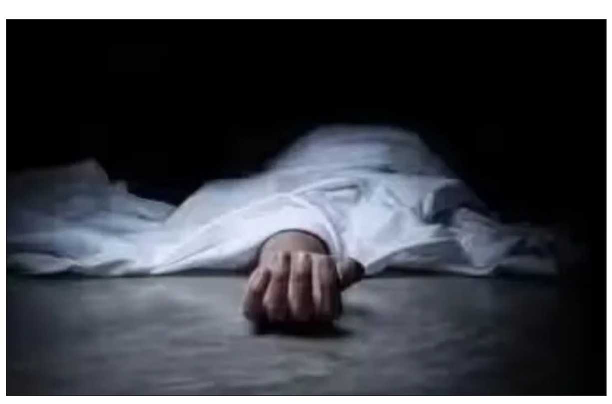

हैं। दोनों नेताओं ने भारत-इजरायल स्पेशल स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप को मजबूत करने और विभिन्न क्षेत्रों में आपसी सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की थी। इतना ही नहीं विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया था कि यह फोन कॉल इजरायल की ओर से की गई थी, जिसमें दोनों देशों के संबंधों को और गहरे करने पर जोर दिया गया था।

दूतावास ने फिलहाल राजीव आचार्य की मौत के कारणों या घटना से जुड़ी अन्य जानकारियों का खुलासा नहीं किया है। दूसरी ओर भारतीय मिशन ने मृतक के परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है और हरसंभव सहायता प्रदान करने की बात कही है।

क्षेत्रीय तनाव और हालिया कूटनीतिक बातचीत

बता दें कि यह घटना ऐसे समय में हुई है जब पश्चिम एशिया में लगातार तनाव बना हुआ है। हालांकि, भारतीय दूतावास ने यह स्पष्ट नहीं किया है कि यह घटना क्षेत्रीय तनाव से जुड़ी है या नहीं। इससे पहले, इस महीने की शुरुआत में इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच फोन पर बातचीत हुई थी।

मेहुल चोकसी का वकील विजय अग्रवाल लंदन में गिरफ्तार

दो महिलाओं से यौन उत्पीड़न का केस दर्ज

लंदन, एजेंसी

भगोड़े हीरा कारोबारी मेहुल चोकसी का केस लड़ने वाले भारतीय क्रिमिनल लॉयर विजय अग्रवाल को लंदन में गिरफ्तार किया गया है। उन पर दो महिलाओं के साथ चार बार यौन उत्पीड़न करने का आरोप है और वे जेल में हैं। उनकी पर्सनल असिस्टेंट मनप्रीत कौर भी जेल में हैं। उन पर जानबूझकर दो अपराधों को बढ़ावा देने का आरोप है।

दोनों भारतीय नागरिकों को 11 अगस्त को मेफेयर की 29 ब्रिक स्ट्रीट पर स्थित एक सर्विस वाले लग्जरी एंबेसडेरियल टाउन हाउस से गिरफ्तार किया गया, जहां वे ठहरे हुए थे। मेट पुलिस को उस पते पर यौन उत्पीड़न की घटनाओं की सूचना मिली थी।

उन्हें हिरासत में लिया गया और 13 अगस्त को वेस्टमिंस्टर मजिस्ट्रेट

कोर्ट में पेश किए जाने पर उन पर आरोप तय किए गए।

दिल्ली में जन्मे विजय अग्रवाल पर दो महिलाओं के साथ चार बार यौन उत्पीड़न का आरोप है। यह घटना 4,000 वर्ग फुट के चार मंजिला, पांच बेडरूम वाले सर्विस टाउन हाउस में हुई, जहां मेड और रोजाना नाश्ते की सुविधा मिलती है और जिसका किराया लगभग 2.6 लाख रुपये प्रति रात है।अग्रवाल पर रविवार, 9 अगस्त को उसी प्रॉपर्टी पर एक महिला के साथ तीन बार यौन उत्पीड़न का आरोप है। उन पर आरोप है कि उन्होंने जानबूझकर एक महिला को छुआ और यह स्पर्श यौन प्रकृति का था, जबकि महिला की सहमति नहीं थी। उन पर मंगलवार, 26 मई को भी इसी तरह के अपराध का एक और आरोप है। कौर पर 26 मई और 9 अगस्त को उसी प्रॉपर्टी पर यौन उत्पीड़न के अपराध को जानबूझकर बढ़ावा देने या उसमें मदद करने के दो आरोप हैं। आरोप है कि उन्होंने नौकरी का एक झूठा विज्ञापन पोस्ट करके दो महिलाओं को विजय अग्रवाल से मिलवाया और उन्हें उस पते पर बुलाया।

दुर्घटना : इक्वाडोर के खुफिया प्रमुख और 5 यूएस नागरिकों समेत 7 लोगों की मौत

केन्या में सफारी पर जा रहा हेलीकॉप्टर क्रैश

नैरोबी, एजेंसी

मध्य केन्या के साम्बुरु काउंटी में बुधवार को पर्यटकों को लेकर जा रहा हेलीकॉप्टर क्रैश हो गया। इस दुर्घटना में उसमें सवार सभी सात लोगों की मौत हो गई। इस हादसे में इक्वाडोर के राष्ट्रीय खुफिया केंद्र के प्रमुख मिशेल सेन्सी-कोंटुगी, उनकी पत्नी और पांच अमेरिकी नागरिकों की मौत हो गई। केन्या नागरिक उड्डयन प्राधिकरण (KCAA) के अनुसार, राजधानी नैरोबी के उत्तर में स्थित साम्बुरु काउंटी में हुई। यह हादसा स्थानीय समयानुसार सुबह 09:13 बजे हुआ, जब विमान लोइसाबा वाइल्डलाइफ रिजर्व से रवाना हुआ। खराब मौसम और अंधेरा होने के

चलते राहत बचाव कार्य में देरी आई। अमेरिकी विदेश विभाग के एक प्रवक्ता ने कहा कि इस दुर्घटना में पांच अमेरिकी नागरिकों की मौत हो गई, लेकिन उन्होंने उनकी पहचान नहीं बताई। हालांकि, स्पेनिश भाषा के प्रसारक टेलीमुंडो ने घोषणा की कि फ्लोरिडा में उसके एक वरिष्ठ प्रबंधक, जोस अल्बर्टो सुआरेज़ की इस दुर्घटना में

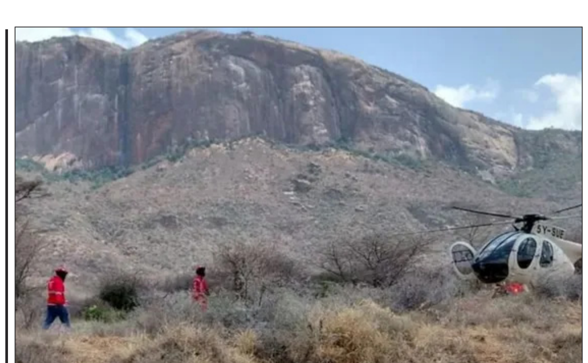

अंधेरा होने से राहत बचाव कार्य में देरी

केन्या रेड क्रॉस द्वारा दोपहर में X पर शेयर की गई तस्वीरों में दुर्घटनास्थल आग की लपटों में घिरा हुआ दिखाई दे रहा था। रेड क्रॉस ने कहा कि दुर्गम भूभाग के कारण बचाव कार्य में बाधा आ रही है।

विमान दुर्घटना जांच विभाग (एएआईडी) के निदेशक फ्रेडरिक काबुंगे के अनुसार, हेलीकॉप्टर में एक पायलट और छह यात्री सवार थे, जिसमें कोई भी जीवित नहीं बचा है। साम्बुरु काउंटी के पुलिस प्रमुख डेविड नकोरोई ने कहा, अंधेरा होने और दुर्घटनास्थल की जटिल परिस्थितियों के कारण कल तक अभियान स्थगित कर दिया गया है।

मृत्यु हो गई है। इक्वाडोर के परिवहन मंत्री रॉबर्टो लुक ने कहा कि खुफिया प्रमुख मिशेल सेन्सी-कोंटुगी और उनकी पत्नी मृतकों में शामिल थे। लुके ने X पर लिखा, ₹आज मिशेल और स्टेफनी हमें बहुत जल्द छोड़कर चले गए। उनके परिवार, खासकर उनके बच्चों और माता-पिता के बारे में सोच रहा हूं।

गौरतलब है कि उत्तरी केन्या में बेहद खूबसूरत और लोकप्रिय जगह सांबुरु स्थित है। यहां एक पर्वत है, जिसकी चोटी समुद्र तल से दो हजार मीटर यानी 6560 फीट है। यह जगह हाइकिंग के लिए फेमस जगह है। यहां कंपनियां पर्यटकों को हेलिकॉप्टर से ऊपर से नजारे दिखातीं हैं।

मशहूर कंटेंट क्रिएटर आयशा गिलामाना की गोली मारकर हत्या

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद के पास तक्षशिला में 13 लाख से अधिक फॉलोअर्स वाली 28 साल की कंटेंट क्रिएटर की दो लोगों ने गोली मारकर हत्या कर दी। इस घटना ने देश में महिलाओं और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स के खिलाफ बढ़ती हिंसा को एक बार फिर उजागर किया है।

एक रिपोर्ट के अनुसार, शम्सो बीबी (जिन्हें ऑनलाइन आयशा गिलामाना के नाम से भी जाना जाता था) की 14 अगस्त को कथित तौर पर पैसों के विवाद के कारण हत्या कर दी गई। उनके भाई नियामतुल्ला ने पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज शरीफ से इस मामले में दखल देने और न्याय सुनिश्चित करने की अपील की।

अपनी शिकायत में, उनके पिता फजल साहिबजादा ने आरोप लगाया कि उनकी बेटी को काशिफ नाम के एक व्यक्ति ने तक्षशिला स्थित उनके घर के बाहर बुलाया था। इसके बाद

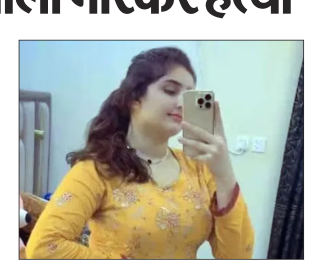

वह अपनी बहन और भाई के साथ कार में घर से निकलीं।

पुलिस रिपोर्ट के अनुसार, गाड़ी जब एक बाजार के पास से गुजरी, तो मोटरसाइकिल पर सवार दो लोगों ने कथित तौर पर उस पर गोली चलाई, जिससे बीबी की गर्दन में गोली लगी और उनकी मौत हो गई।

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे घटना के कथित वीडियो में मोटरसाइकिल पर सवार दो लोगों को बीबी की कार रोकते और बहुत पास से उस पर गोली चलाते हुए देखा जा सकता है। बताया जाता है कि गाड़ी का संतुलन बिगड़ गया और वह एक डंपर से टकरा गई, जिससे बीबी की बहन गंभीर रूप से घायल हो गईं।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।

मो0- 9415799533
R.N.I. NO.
UPHIN/2021/83676